मुंबई(महाराष्ट्र) से प्रकाशित

हिन्दी दैनिक

उत्तरशक्ति

मुंबई
वर्षः 8 अंक 165
रविवार, 28 दिसम्बर 2025
मूल्य 3 रुपए, पृष्ठ-6
RNI NO. MAHHIN/2018/76092
email ID- uttarshaktinews@gmail.com
www.uttarshaktinews.com

हर खबर निष्पक्षता के साथ

देश में लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों पर चारों तरफ गंभीर संकट छाया हैः मल्लिकार्जुन खड़गे

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी अधिनियम (एमजीएनआरईजीए) को निरस्त किए जाने के खिलाफ एक सशक्त राष्ट्रीय अभियान चलाने का आह्वान किया है। यह अधिनियम यूपीए सरकार का एक महत्वपूर्ण कानून था जो ग्रामीण रोजगार प्रदान करता था। खरगे ने इस स्थिति की तुलना सरकार की पिछली कार्रवाइयों से की, जैसे कि जनता के आक्रोश के बाद कृषि कानून निरस्त किए गए।

खरगे ने कांग्रेस कार्य समिति (सीडब्ल्यूसी) की बैठक को संबोधित करते हुए बांग्लादेश में हिंदू अल्पसंख्यकों पर हमलों की निंदा की और कहा कि इससे पूरा भारत चिंतित है। खरगे ने कांग्रेस नेताओं से आगामी विधानसभा चुनावों के लिए कमर कसने का आह्वान किया और यह भी कहा कि विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) लोकतांत्रिक अधिकारों को सीमित करने की एक सोची समझी साजिश है तथा ऐसे में यह सुनिश्चित करना होगा कि कांग्रेस के मतदाताओं के नाम न काटे जाएं खरगे ने बैठक में कहा कि हम आज ऐसे मौके पर विचार और भविष्य की रणनीति बनाने के लिए एकत्र हुए हैं, जब देश में लोकतंत्र, संविधान और नागरिकों के अधिकारों पर चारों तरफ गंभीर संकट छाया है।

कांग्रेस अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि हाल में संसद के शीतकालीन सत्र में मोदी सरकार ने मनरेगा को समाप्त कर करोड़ों गरीबों और कमजोर तबके के लोगों को बेसहारा

कर दिया है। गरीबों के पेट पर लात मारने के साथ उनकी पीठ में मोदी सरकार ने छुरा घोंपा है। मोदी सरकार ने काम के अधिकार पर सुनियोजित और क्रूर हमला किया है। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार को गरीबों की चिंता नहीं, बल्कि चंद बड़े पूंजीपतियों के मुनाफे की ही चिंता है। उनका कहना था कि मनरेगा संयुक्त प्रगतिशील गठबंधन (संप्रग) सरकार का ऐसा दूरदर्शी कदम था, जिसे पूरे विश्व ने सराहा।

वरिष्ठ नेता ने कहा कि इस योजना ने ग्रामीण भारत का चेहरा बदला। यह विश्व का सबसे बड़ा ग्रामीण रोजगार कार्यक्रम बना। इससे पलायन रुका, गांवों को अकाल, भूख, और शोषण से मुक्ति मिली। इस योजना ने दलितों, आदिवासियों, महिलाओं और भूमिहीन मजदूरों को भरोसा दिया कि गरीबी से जंग में सरकार उनके साथ खड़ी है। खरगे ने दावा किया कि मोदी सरकार ने बिना किसी अध्ययन या मूल्यांकन के, राज्यों से या राजनीतिक दलों से सलाह-मशविरा के बिना इसे खत्म करके नया कानून थोप दिया। उन्होंने कहा कि यह सारा काम तीन काले कृषि कानूनों जैसा किया गया।

ओडिशा में बंगाली मजदूर की हत्या पर भड़कीं ममता बनर्जी

कोलकता, 27 दिसम्बर। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने बुधवार को ओडिशा के संबलपुर में मुर्शिदाबाद जिले के एक प्रवासी मजदूर की झड़प के बाद हुई हत्या की कड़ी निंदा की। यह घटना 24 दिसंबर को हुई थी। ममता बनर्जी ने एक पोस्ट में लिखा कि हम भाजपा शासित हर राज्य में बंगाली भाषी लोगों पर हो रहे क्रूर उत्पीड़न और अत्याचार की कड़ी निंदा करते हैं। हम उन उत्पीड़ित, भयभीत और प्रताड़ित प्रवासी बंगाली भाषी परिवारों के साथ खड़े हैं और उन्हें हर तरह की सहायता प्रदान करेंगे। मानवीय जीवन का कोई मोल नहीं है, लेकिन जिन मामलों में मृत्यु हुई है, हम आर्थिक मुआवजे के लिए प्रतिबद्ध हैं।

ममता ने आगे कहा कि पीड़ित परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की जाएगी। उन्होंने कहा कि हाल ही में भाजपा शासित ओडिशा राज्य के जंगीपुर क्षेत्र के कुछ प्रवासी श्रमिकों पर विभिन्न प्रकार के अत्याचार हुए हैं। यह बेहद दुर्भाग्यपूर्ण है कि 24

दिसंबर को संबलपुर में जंगीपुर के सूती क्षेत्र के एक युवा प्रवासी श्रमिक की पीट-पीटकर हत्या कर दी गई। मुर्शिदाबाद के प्रवासी श्रमिक ओडिशा से भयभीत होकर घर लौट रहे हैं। इस हृदयविदारक घटना में हम पीड़ितों के परिवारों के साथ खड़े हैं और मृतक के परिवार को हमारी आर्थिक सहायता भी जल्द से जल्द पहुंचाई जाएगी। मुख्यमंत्री ने यह भी आरोप लगाया कि मजदूर की हत्या बंगाली बोलने के कारण की गई थी। उन्होंने आगे कहा, भाजपा शासित राज्यों में हुई इन सभी घटनाओं में, हम दोषियों की कड़ी निंदा करते हैं और पीड़ितों को हर संभव सहायता देने का वादा करते हैं। बंगाली बोलना अपराध नहीं हो सकता। मृतक युवा ज्वेल राणा के मामले में, पश्चिम बंगाल पुलिस ने सूती पुलिस स्टेशन में जीरो एफआईआर दर्ज कर छह लोगों को गिरफ्तार किया जा चुका है। मेरे राज्य से एक पुलिस दल जांच के लिए ओडिशा गया है।

इससे पहले, 25 दिसंबर को संबलपुर के एसडीपीओ श्रीमंत बारीक ने कहा, कुछ मजदूर यहां रहते थे और काम भी करते थे। वे स्थानीय लोगों से मित्र बन गए थे... शराब के नशे में कुछ लोग उनसे सिगरेट मांगने गए, और दोनों समूहों के बीच झगड़ा हो गया। एक समूह ने पीड़ित के सिर पर वार किया, जिससे सिर में गंभीर चोट आई और उसकी मौत हो गई। इस घटना के संबंध में छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है, और अन्य को भी जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने मुख्यमंत्री भूपेन्द्र पटेल से की मुलाकात, विभिन्न क्षेत्रों में सहयोग पर हुई चर्चा

गुजरात, 27 दिसम्बर। नेपाल के पर्यटन को बढ़ावा देने के उद्देश्य से गुजरात दौरे पर आए नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने गांधीनगर में मुख्यमंत्री भूपेंद्र पटेल से शिष्टाचार मुलाकात की। एक आधिकारिक बयान में यह जानकारी दी गई है। गुजरात मुख्यमंत्री कार्यालय के अनुसार, राजदूत ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात में विकसित विश्व स्तरीय पर्यटन स्थलों की सराहना की। उन्होंने मुख्यमंत्री से पर्यटन, सूचना प्रौद्योगिकी, जल ऊर्जा, विनिर्माण और शिक्षा क्षेत्रों में सहयोग पर विस्तृत चर्चा की।

मुख्यमंत्री ने बताया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में गुजरात एक विनिर्माण केंद्र के रूप में उभरा है और सेमीकंडक्टर, कृत्रिम बुद्धिमत्ता और वैश्विक क्षमता केंद्रों जैसे उभरते क्षेत्रों में अग्रणी बनने के लिए भी पूरी तरह तैयार है। उन्होंने आगे बताया कि स्टैच्यू ऑफ यूनिटी, श्वेत रेगिस्तान और सोमनाथ, द्वारका और अंबाजी जैसे आध्यात्मिक पर्यटन स्थलों के साथ गुजरात दुनिया भर के पर्यटकों के लिए एक प्रमुख आकर्षण बन गया है।

इस बैठक में मुख्यमंत्री के प्रधान सचिव संजीव कुमार, उद्योग विभाग की प्रधान सचिव ममता वर्मा, उद्योग आयुक्त पी. स्वरूप और नेपाल प्रतिनिधिमंडल के सदस्य उपस्थित थे। इस बीच, शुक्रवार को नेपाल के राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने अपने पूरे दल के साथ उत्तराखंड के धारचूला क्षेत्र में भारत-नेपाल सीमा पर बन रहे अंतरराष्ट्रीय मोटर पुल का निरीक्षण किया। एएनआई से बात करते हुए राजदूत शंकर प्रसाद शर्मा ने बताया कि पुल लगभग बनकर तैयार है, जबकि इससे जुड़ने वाली सड़क का निर्माण कार्य जारी है और यह दिसंबर के अंत तक पूरा हो जाएगा।

बीजेपी को 20 जनवरी तक मिलेंगे नए अध्यक्ष

नितिन नबीन पर सर्वसम्मति, मिशन 2029 की बड़ी जिम्मेदारी

नई दिल्ली, 27 दिसम्बर। देश भर के राज्य भाजपा अध्यक्षों को 15 जनवरी के बाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव के लिए दिल्ली बुलाया जा सकता है। सूत्रों के अनुसार, भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव की प्रक्रिया 18 से 20 जनवरी के बीच पूरी होने की उम्मीद है। नितिन नबीन को भाजपा के नए राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में नियुक्त किए जाने की घोषणा 20 जनवरी तक होने की संभावना है। भाजपा शासित आधे से अधिक राज्यों में संगठनात्मक चुनाव प्रक्रिया पूरी हो चुकी है, जिनमें से 37 में से 29 राज्यों में आंतरिक चुनाव संपन्न हो चुके हैं।

इन राज्यों के राज्य अध्यक्ष राष्ट्रीय अध्यक्ष पद के लिए नितिन नबीन की उम्मीदवारी का समर्थन

करते हुए नामांकन पत्रों का एक सेट प्रस्तुत करेंगे। नामांकन पत्रों का दूसरा सेट भाजपा की राष्ट्रीय परिषद के सदस्यों द्वारा दाखिल किया जाएगा। सूत्रों ने बताया कि नितिन नबीन के समर्थन में प्रस्तुत नामांकन पत्रों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के हस्ताक्षर भी होंगे। चूंकि नितिन नबीन एकमात्र ऐसे उम्मीदवार हैं जिनके नामांकन पत्र दाखिल करने की उम्मीद है, इसलिए भाजपा के मुख्य चुनाव अधिकारी के. लक्ष्मण द्वारा नामांकन पत्रों की जांच के बाद जल्द ही उनके राष्ट्रीय अध्यक्ष चुने जाने की आधिकारिक घोषणा कर दी जाएगी।

भाजपा शासित सभी राज्यों के मुख्यमंत्रियों और राज्य अध्यक्षों को इस अवसर पर दिल्ली में उपस्थित रहने के निर्देश दिए गए हैं। सूत्रों ने यह भी बताया कि नितिन नबीन का राष्ट्रीय अध्यक्ष के रूप में कार्यकाल जनवरी 2026 से जनवरी 2029 तक होगा। 2029 में लोकसभा चुनाव होने के कारण, उनका कार्यकाल उस वर्ष से आगे भी बढ़ाया जा सकता है। भाजपा द्वारा 45 वर्षीय नितिन नबीन को राष्ट्रीय अध्यक्ष नियुक्त करना युवा नेतृत्व को बढ़ावा देने पर पार्टी के फोकस को दशार्ता है।

उत्तर प्रदेश एसआईआरः मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया पूरी हुई, कट सकते हैं 2.89 करोड़ नाम

लखनऊ, 27 दिसम्बर। उत्तर प्रदेश में मतदाता सूची की गहन विशेष संशोधन प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अंतिम आंकड़े और मतदाता सूची का मसौदा 31 दिसंबर को जारी किया जाएगा। सूत्रों के अनुसार, राज्य में लगभग 2.89 करोड़ मतदाताओं को अपुनर्प्राप्त श्रेणी में रखा गया है, जिसका अर्थ है कि उनके नाम मतदाता सूची से हटा दिए गए हैं। इससे पहले, उत्तर प्रदेश में कुल लगभग 15.44 लाख पंजीकृत मतदाता थे। विशेष मतदाता सूची संशोधन प्रक्रिया की अंतिम तिथि के बाद, लगभग 2.89 करोड़ मतदाताओं, यानी कुल मतदाताओं के लगभग 18.7 प्रतिशत, के नाम शामिल नहीं किए जा सके। अकेले राज्य की राजधानी लखनऊ में ही मतदाताओं की संख्या में लगभग 12 लाख की कमी आई है। जिन मतदाताओं के नाम कट सकते हैं, वे

अनुपस्थित, स्थानांतरित, मृत व डुप्लीकेट श्रेणी में शामिल है। अब 31 दिसंबर को मतदाता सूची का ड्राफ्ट प्रकाशन होगा। जिन जिलों में सबसे ज्यादा नाम कट रहे हैं उनमें लखनऊ, गाजियाबाद, प्रयागराज, कानपुर, आगरा व बरेली के सबसे ज्यादा है।

मतदाता सूची में दर्ज 1.11 करोड़ मतदाताओं के रेकॉर्ड नहीं मिल रहे हैं। वर्ष 2003 की मतदाता सूची में न तो इनके और न ही इनके माता-पिता या बाबा-दादी के नाम मिले है। यह कुल मतदाताओं का करीब 7% है। ड्राफ्ट मतदाता सूची के प्रकाशन के बाद इन्हें निर्वाचक रजिस्ट्रीकरण अधिकारी नोटिस देंगे। इन्हें भारत निर्वाचन आयोग की ओर से अनुमन्य 12 प्रमाण पत्रों में से एक देना होगा। आधार कार्ड अकेले मान्य नहीं होगा। इसके साथ कोई दूसरा प्रमाण पत्र भी लगाना होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी कार्यालय के मुताबिक गणना प्रपत्र जमा करने की आखिरी तारीख सूची का प्रकाशन होगा। इसके बाद 31 दिसंबर से 30 जनवरी तक दावे व आपत्तियां ली जाएंगी। 31 दिसंबर से 21 फरवरी तक उन मतदाताओं को नोटिस दिए जाएंगे जिनके रेकॉर्ड नहीं मिल पाए हैं। अंतिम मतदाता सूची का प्रकाशन 28 फरवरी को होगा।

जिनका नाम वर्ष 2025 की मतदाता सूची में नहीं है, वे फॉर्म-6 भरकर मतदाता बन सकते है। जिनके पास गणना प्रपत्र आया था लेकिन वह किन्हीं कारणों से भर नहीं सके तो वे भी फॉर्म-6 भरकर मतदाता बन सकते है। हालांकि उन्हें एक शपथ पत्र भरना होगा। इसमें गणना प्रपत्र की तरह ही 2003 का रेकॉर्ड देना होगा। एक जनवरी 2026 को 18 वर्ष की आयु पूरी करने वाले युवा भी फॉर्म-6 भरकर मतदाता बन सकते हैं।

मौलाना पर ईडी का एक्शन, लंदन में साजिश, यूपी के मदरसे से ले रहा था सैलरी

लखनऊ। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने उत्तर प्रदेश के मूल निवासी और कई वर्षों से यूनाइटेड किंगडम में रह रहे मदरसे के शिक्षक शम्सुल हुदा के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला दर्ज किया है। आतंकवाद विरोधी दस्ते (एटीएस) द्वारा की गई जांच के बाद मनी लॉन्ड्रिंग रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए) के तहत यह कार्रवाई की गई है। अधिकारियों के अनुसार, यह मामला गंभीर वित्तीय अनियमितताओं से संबंधित है, जिसमें कथित तौर पर विदेश में रहते हुए सरकारी वेतन और पेंशन लाभ प्राप्त करना, विदेशी संस्थाओं से संदिग्ध संबंध और संदिग्ध वित्तीय लेनदेन शामिल हैं।

बांग्लादेश: सत्ता-संघर्ष, कट्टरपंथ और लोकतंत्र की अनिश्चित राह

-ललित गर्ग

बांग्लादेश एक बार फिर इतिहास के ऐसे मोड़ पर खड़ा है, जहाँ लोकतंत्र, सत्ता और कट्टरपंथ के बीच की रेखाएँ धुंधली होती जा रही हैं। 17 वर्षों के स्वनिर्वासन के बाद बांग्लादेश की पूर्व प्रधानमंत्री खालिदा जिया के पुत्र और बांग्लादेश राष्ट्रवादी पार्टी (बीएनपी) के कार्यवाहक अध्यक्ष तारिक रहमान की स्वदेश वापसी केवल एक राजनीतिक घटना नहीं, बल्कि उस अस्थिरता का प्रतीक है, जो शेख हसीना के सत्ता से हटने के बाद देश की राजनीति में लगातार गहराती चली गई है। यह वापसी ऐसे समय में हुई है जब अंतरिम सरकार के मुखिया मोहम्मद यूनुस स्वयं कई मोर्चों पर घिरते नजर आ रहे हैं और जिन ताकतों को उन्होंने व्यवस्था परिवर्तन की उम्मीद में अप्रत्यक्ष या प्रत्यक्ष रूप से स्थान दिया, वही आज शांति, सौहार्द और लोकतांत्रिक प्रक्रिया के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। शेख हसीना की अवामी लीग सरकार के पतन के बाद जिस छात्र आंदोलन को ह्यजुलाई क्रांतिह्ल के रूप में प्रस्तुत किया गया था, उससे देश में यह उम्मीद जगी थी कि एक नई, पारदर्शी और समावेशी व्यवस्था की नींव रखी जाएगी। इसी उम्मीद के साथ छात्र नेताओं और नागरिक समाज के एक बड़े वर्ग ने मोहम्मद यूनुस को अंतरिम सरकार की कमान सौंपी। लेकिन कुछ ही महीनों में यह भ्रम टूटने लगा कि यह संघर्ष व्यवस्था परिवर्तन का है। चुनाव को लेकर बढ़ती खींचतान, स्पष्ट रोडमैप का अभाव और सत्ता के इर्द-गिर्द सिमटती निर्णय प्रक्रिया ने यह संकेत दे दिया कि अब लड़ाई लोकतंत्र को मजबूत करने की नहीं, बल्कि सत्ता पर कब्जे की है।

इस संदर्भ में कट्टरपंथ विचारधारा से जुड़े युवा नेता शरीफ उस्मान हादी की हत्या ने स्थिति को और विस्फोटक बना दिया है। हादी जुलाई आंदोलन से उभरे उन चेहरों में थे, जिनका प्रभाव तेजी से बढ़ रहा था। उनकी हत्या के बाद उनके भाई द्वारा लगाए गए आरोप कि यह हत्या अंतरिम सरकार से जुड़े तत्वों की साजिश है ताकि चुनाव टाले जा सकें, मोहम्मद यूनुस की अंतरिम सरकार की नैतिकता और निष्पक्षता पर गंभीर प्रश्नचिह्न लगाते हैं। यदि यह आरोप सही हैं, तो इसका अर्थ यह होगा कि सत्ता में शामिल कुछ शक्तियां जानबूझकर देश को अस्थिरता एवं घोर अशांति की ओर धकेल रही हैं, ताकि चुनावी प्रक्रिया को अपने अनुकूल मोड़ा जा सके। कट्टरपंथी संगठनों की भूमिका इस पूरे परिदृश्य में सबसे चिंताजनक है। जमात-ए-इस्लामी जैसी ताकतों का अंतरिम सरकार पर बढ़ता दबाव, सड़कों पर बढ़ती हिंसा और अल्पसंख्यकों को निशाना बनाए जाने की घटनाएं यह दर्शाती हैं कि कानून-व्यवस्था तेजी से कमजोर हुई है। विडंबना यह है कि जिन कट्टरपंथी तत्वों को शेख हसीना सरकार के विरोध में ह्यलोकतांत्रिक सहयोगीह्ल के रूप में देखा गया, वही आज बांग्लादेश की सामाजिक संरचना को भीतर से खोखला कर रहे हैं। यह वही ऐतिहासिक भूल है, जो दक्षिण एशिया के कई देशों में पहले भी की जा चुकी है-जहां अल्पकालिक राजनीतिक लाभ के लिए कट्टरपंथ को जगह दी गई और परिणाम दीर्घकालिक अस्थिरता के रूप में सामने आया।

तारिक रहमान की वापसी को इसी पृष्ठभूमि में देखा जाना चाहिए। ब्रिटेन में 17 वर्षों से अधिक समय बिताने के बाद उनका लौटना केवल व्यक्तिगत निर्वासन की समाप्ति नहीं है, बल्कि बांग्लादेश की राजनीति में एक नए शक्ति-संतुलन का संकेत है। यह तथ्य भी अनदेखा नहीं किया जा सकता कि जिन मुकदमों के कारण वे देश से बाहर थे, उनमें अंतरिम सरकार के दौरान राहत मिली और उनकी वापसी का रास्ता साफ हुआ। जिस दिन तारिक रहमान ढाका लौटे, उसी दिन यह संकेत भी सामने आया कि शेख हसीना की अवामी लीग को आगामी चुनावों से बाहर रखा जा सकता है। यह संयोग कम और रणनीति अधिक प्रतीत होता है। बीएनपी इस समय चुनावी गणित के लिहाज से सबसे मजबूत स्थिति में है और तारिक रहमान को देश का अगला प्रधानमंत्री माने जाने की चर्चा तेज है। लेकिन बड़ा प्रश्न यह है कि क्या अवामी लीग के बिना होने वाला चुनाव बांग्लादेश की जनता की वास्तविक इच्छा को प्रतिबिंबित कर पाएगा? लोकतंत्र केवल सत्ता परिवर्तन का नाम नहीं, बल्कि सभी प्रमुख राजनीतिक धाराओं को समान अवसर देने की प्रक्रिया है। यदि किसी एक बड़े दल को सुनियोजित ढंग से बाहर रखा जाता है, तो चुनाव की वैधता पर संदेह स्वाभाविक है।

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी मोहम्मद यूनुस की सरकार पर दबाव बढ़ रहा है। अल्पसंख्यकों पर हो रहे अत्याचार, अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता पर हमले और कानून-व्यवस्था की बदहाली को लेकर मानवाधिकार संगठनों की चिंताएं लगातार सामने आ रही हैं। इसके बावजूद यह आश्चर्यजनक है कि भारत जैसे पड़ोसी देश से, जहाँ बांग्लादेश के घटनाक्रम का सीधा प्रभाव पड़ता है, अपेक्षित स्तर की कूटनीतिक और नैतिक प्रतिक्रिया देखने को नहीं मिली। हालांकि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा खालिदा जिया के स्वास्थ्य पर चिंता जताते हुए भारत की ओर से सहयोग की पेशकश करना एक सकारात्मक संकेत है, और बीएनपी द्वारा उसका स्वीकार किया जाना दोनों देशों के बीच नए समीकरणों की ओर इशारा करता है। लेकिन यह भी सच है कि यह निकटता स्वार्थों की राजनीति से पूरी तरह मुक्त नहीं है। बांग्लादेश में हिंदू समुदाय पर लगातार हो रहे हमले अब केवल आंतरिक कानून-व्यवस्था का प्रश्न नहीं रह गए हैं, बल्कि यह भारत की सुरक्षा, कूटनीतिक जिम्मेदारी और नैतिक सरोकार से सीधे जुड़ा गंभीर विषय बन चुका है। हाल ही में अमृत मंडल नामक एक हिंदू नागरिक की पीट-पीटकर हत्या की घटना इस बात का प्रमाण है कि अल्पसंख्यकों को निशाना बनाने की प्रवृत्ति थमने के बजाय और अधिक निर्भीक होती जा रही है। धार्मिक पहचान के आधार पर हिंसा, मंदिरों पर हमले, जबरन पलायन और भय का वातावरण बांग्लादेश की लोकतांत्रिक साख को गहरा आघात पहुँचा रहे हैं। भारत सरकार के लिए अब यह अनदेखा करने का विषय नहीं रह गया है; आवश्यकता है कि वह कूटनीतिक स्तर पर सख्त संदेश दे, अंतरराष्ट्रीय मंचों पर इस मुद्दे को उठाए और यह स्पष्ट करे कि अल्पसंख्यकों की सुरक्षा किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था की अनिवार्य शर्त है।

आगामी चुनावों के संदर्भ में इस तरह की सांप्रदायिक हिंसा को एक केंद्रीय मुद्दा बनाया जाना चाहिए, क्योंकि भय और असुरक्षा के वातावरण में निष्पक्ष चुनाव की कल्पना ही बेमानी है। बांग्लादेश में यदि वास्तव में लोकतंत्र की बहाली का दावा किया जा रहा है, तो वहां ऐसी सरकार का गठन आवश्यक है जो अल्पसंख्यकों के अधिकारों और सम्मान की गारंटी दे सके। हिंदुओं सहित सभी धार्मिक समुदायों की सुरक्षा सुनिश्चित किए बिना न तो राजनीतिक स्थिरता संभव है और न ही क्षेत्रीय शांति। भारत की भूमिका इस संदर्भ में केवल पड़ोसी देश की नहीं, बल्कि एक जिम्मेदार क्षेत्रीय शक्ति की है, जिसे मानवाधिकार और लोकतांत्रिक मूल्यों के संरक्षण के लिए आवश्यक कठोर कदम उठाने से पीछे नहीं हटना होगा। बांग्लादेश आज जिस मुसीबत के भंवर में फँसा है, उसके पीछे आंतरिक कारकों के साथ-साथ बाहरी प्रभावों की भूमिका से भी इनकार नहीं किया जा सकता। पाकिस्तान की ऐतिहासिक भूमिका और कट्टरपंथी नेटवर्क्स के साथ उसके संबंधों को देखते हुए यह आशंका निराधार नहीं कि बांग्लादेश की अस्थिरता में परोक्ष योगदान बाहरी शक्तियों का भी हो सकता है। ऐसे में मोहम्मद यूनुस की यह जिम्मेदारी और भी बढ़ जाती है कि वे अंतरिम सरकार को निष्पक्ष, पारदर्शी और लोकतांत्रिक दिशा में ले जाएँ। लेकिन अब तक के घटनाक्रम यह संकेत देते हैं कि वे हालात को संभालने में पूरी तरह सफल नहीं हो पाए हैं। फिर भी, इस निराशाजनक परिदृश्य के बीच तारिक रहमान के बयानों और राजनीतिक स्वरों में कुछ लोग समाधान की झलक देखते हैं। यह उम्मीद इस विश्वास पर टिकी है कि बीएनपी, चाहे उसका अतीत विवादास्पद रहा हो, सत्ता में आकर कट्टरपंथी दबावों को संतुलित कर सकेगी और लोकतांत्रिक संस्थाओं को पुनर्स्थापित करने का प्रयास करेगी। किंतु यह भी एक कड़वा सत्य है कि कट्टरपंथी ताकतों से लोकतंत्र बहाल होने की उम्मीद अपने आप में एक विरोधाभास है। अंततः बांग्लादेश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न यही है-क्या वह एक समावेशी, बहुदलीय और संवैधानिक लोकतंत्र की राह चुनेगा या फिर सत्ता-संघर्ष और कट्टरपंथ की दलदल में और गहराता जाएगा? इसका उत्तर केवल किसी एक नेता या दल के हाथ में नहीं, बल्कि उस राजनीतिक विवेक में है, जो आने वाले महीनों में देश की दिशा तय करेगा। यदि निष्पक्ष चुनाव, कानून का राज और अल्पसंख्यकों की सुरक्षा सुनिश्चित नहीं की गई, तो तारिक रहमान की वापसी भी इतिहास में एक और चूके हुए अवसर के रूप में दर्ज हो सकती है।

दिल्ली-एनसीआर की हरियाली और सुरक्षा की ढाल अरावली पर्वतमाला को बचाने की निर्णायक लड़ाई

-अजय कुमार

दिल्ली-एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों की पर्यावरणीय सुरक्षा के लिए अरावली पर्वतमाला हमेशा से ही एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाती रही है। यह न केवल वायु और जल संरक्षण में योगदान देती है, बल्कि वर्षा जल के ग्राउंड वाटर में प्रवाह को बनाए रखने और मिट्टी कटाव को रोकने का भी कार्य करती है। वर्षों से विभिन्न राजनीतिक दलों, बिल्डरों और अधिकारियों की कोशिशें इस प्राकृतिक ढाल को कमजोर करने की रही हैं। हरियाणा और राजस्थान की जमीन पर अरावली की भूमि को रियल एस्टेट और खनन के लिए खोलने की कई योजनाएं बनती रही हैं, लेकिन पर्यावरणविदों, सुप्रीम कोर्ट और एनसीआर प्लानिंग बोर्ड ने अपने सख्त फैसलों से इसे बचाया है। अगर ये फैसले नहीं होते, तो आज दिल्ली और आसपास के शहरों में अरावली पर हाई-राइज बिल्डिंगें खड़ी होतीं और पर्यावरणीय संकट और गंभीर रूप ले चुका होता। हरियाणा में फरीदाबाद और गुड़गांव के आसपास अरावली का बड़ा हिस्सा आता है। पिछले वर्षों में राज्य सरकारों ने कई बार इस भूमि को वन क्षेत्र की परिभाषा से बाहर करने की कोशिश की, ताकि बिल्डरों को फायदा पहुँच सके। एनसीआर प्लानिंग बोर्ड ने दिसंबर 2017 में फरीदाबाद क्षेत्र की 17,000 एकड़ भूमि को वन भूमि के दायरे से बाहर करने का प्रस्ताव खारिज कर दिया। बोर्ड ने स्पष्ट किया कि अरावली का दायरा केवल हरियाणा और राजस्थान तक सीमित नहीं होगा, बल्कि पूरे एनसीआर क्षेत्र में इसे मान्यता दी जाएगी। इस निर्णय से अरावली पर्वतमाला को छेड़छाड़ और विनाश से बचाया गया।

डीआरडीओ के लिए जमीन बेचने का मामला भी अरावली की संवेदनशीलता को दशार्ता है। फरीदाबाद नगर निगम ने रक्षा मंत्रालय को 407 एकड़ जमीन बेच दी, जो पंजाब भूमि संरक्षण अधिनियम की धारा 4 और 5 के तहत आती थी। इस अधिनियम के अनुसार, किसी भी गैर-वन गतिविधि पर रोक लगती है। नगर निगम ने शर्त रखी थी कि डीआरडीओ पर्यावरण मंजूरी स्वयं लेगा। सुप्रीम कोर्ट की सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी और पर्यावरण मंत्रालय ने निर्माण की अनुमति नहीं दी, जिससे संरक्षित पहाड़ी में निर्माण को रोका गया। भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक ने भी इस अविवेकपूर्ण फैसले के लिए रक्षा मंत्रालय की फटकार की दरअसल, डीआरडीओ ने फरवरी 2004 में 700 एकड़ जमीन खरीदने की प्रक्रिया शुरू की थी, जिसे अगस्त 2005 में बढ़ाकर 1,100 एकड़ कर दिया गया। बाद में डीआरडीओ ने वन भूमि को गैर-वन उपयोग के लिए डायवर्ट करने का प्रयास किया, लेकिन नवंबर 2005 में क्षेत्रीय वन संरक्षक ने बताया कि यह भूमि वन क्षेत्र में आती है। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों के अनुसार, इसे गैर-वन उपयोग के लिए केंद्र से मंजूरी लेना आवश्यक था। मई 2007 में डीआरडीओ ने अपनी जरूरत घटाकर 407 एकड़ कर दी और नगर निगम ने जमीन आवंटित करने की स्वीकृति दी। अप्रैल 2008 में डीआरडीओ ने जमीन पर कब्जा किया, लेकिन सुप्रीम कोर्ट द्वारा नियुक्त सेंट्रल एम्पावर्ड कमेटी ने अनुमति नहीं दी।

हुड्डा सरकार द्वारा मांगर क्षेत्र में यूरोपियन टेक्नॉलोजी पार्क के लिए 500 एकड़ भूमि को मंजूरी देने का मामला भी अरावली संरक्षण का उदाहरण है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्रालय ने इस परियोजना पर रोक लगा दी थी। 2012 में मांगर डेवलपमेंट प्लान-2031 के मसौदे में 23 गांवों की 10,426 हेक्टेयर भूमि शामिल थी, लेकिन एनसीआर प्लानिंग बोर्ड ने वन क्षेत्र को बचाने के लिए इसकी मंजूरी देने से मना किया। इस तरह कांग्रेस सरकार की कई कोशिशें नाकाम रही और बाद में आने वाली बीजेपी सरकार की नीतियों पर भी सुप्रीम कोर्ट और पर्यावरणविदों ने निगरानी रखी। हरियाणा विधानसभा ने 27 फरवरी 2019 को पंजाब भूमि संरक्षण (हरियाणा संशोधन) विधेयक पास किया, जिससे अरावली क्षेत्र की लगभग 60,000 एकड़ वन भूमि रियल एस्टेट और खनन के लिए खोली जा सकती थी। सुप्रीम कोर्ट ने इस पर रोक लगाई और पर्यावरणविदों की चिंता को सही ठहराया। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि जंगलों को खत्म नहीं किया जा सकता और ढछढअ के तहत आने वाली भूमि को ह्यवनह्ल माना जाना चाहिए।हाल ही में सुप्रीम कोर्ट ने अरावली की नई परिभाषा जारी की, जिसमें केवल 100 मीटर या उससे अधिक ऊँचाई वाले हिस्सों को पहाड़ माना जाएगा। इस फैसले से छोटे ढलानों की सुरक्षा पर सवाल खड़े हो गए हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि छोटे-छोटे ढलान भी पानी रिचार्ज, हवा की शुद्धता और मिट्टी कटाव को रोकने में महत्वपूर्ण हैं। यदि इन्हें संरक्षण से बाहर किया गया, तो न केवल दिल्ली-एनसीआर की हवा प्रदूषित होगी, बल्कि पानी की कमी और धूलभरी हवाओं में भी वृद्धि होगी। राजस्थान और हरियाणा में जनता और पर्यावरण संगठनों ने विरोध प्रदर्शन और आंदोलन शुरू कर दिया है। एनएसयूआई जैसे छात्र संगठन और नागरिक समाज की संस्थाएं ह्लअरावली बचाओ पैदल मार्चह्ल जैसी गतिविधियों का आयोजन कर रही हैं। लोगों का कहना है कि अरावली केवल एक पहाड़ नहीं है, बल्कि यह जीवन, जल, हवा और जैव विविधता का घर है। इसे खोखला करने का प्रयास आने वाली पीढ़ियों के लिए गंभीर संकट पैदा करेगा।

अरावली की सुरक्षा पर अब देश की राजनीति, न्यायपालिका और आम जनता की नजरें टिक चुकी हैं। सरकार का कहना है कि कोई नया खनन पट्टा जारी नहीं होगा और सुप्रीम कोर्ट की देखरेख में भूमि का प्रबंधन किया जाएगा। पर्यावरणविदों और जनता का कहना है कि परिभाषा में बदलाव से संरक्षण कमजोर हो सकता है। इस बीच कोर्ट ने कई प्रस्तावों को रद्द किया है, जो वन भूमि को गैर-वन घोषित करने का प्रयास करते थे।अरावली पर्वतमाला का संरक्षण अब एक निर्णायक जंग बन चुका है। यह केवल भूमि और वन्य जीवन का मामला नहीं है, बल्कि यह हमारे पर्यावरण, सामाजिक सुरक्षा और भविष्य की पीढ़ियों के जीवन से जुड़ा हुआ है। अगर अरावली की रक्षा नहीं हुई, तो वायु प्रदूषण, जल संकट और जैव विविधता संकट का सामना दिल्ली-एनसीआर और आसपास के राज्यों को करना पड़ेगा।इसलिए अरावली का मामला न केवल पर्यावरण सुरक्षा का प्रतीक है, बल्कि यह न्याय, नीति और सार्वजनिक हित की परीक्षा भी है। जनता, सरकार, न्यायपालिका और पर्यावरणविदों का ध्यान इस पर टिका है कि कैसे इस प्राकृतिक ढाल को बचाया जाए। आने वाले समय में यह संघर्ष भारत के भविष्य के लिए निर्णायक सिद्ध होगा।अरावली को बचाने के लिए संघर्ष केवल आज की राजनीति का विषय नहीं है, बल्कि यह आने वाली पीढ़ियों, किसानों, शहरों और ग्रामीण इलाकों की जीवन-रेखा की रक्षा का प्रतीक है। यही वजह है कि देशभर की निगाहें अब इस पर्वतमाला पर टिकी हैं, ताकि दिल्ली-एनसीआर और आसपास के क्षेत्रों में एक स्वस्थ, सुरक्षित और स्वच्छ पर्यावरण सुनिश्चित हो सके।

मौन, सादगी और संवेदना का अवसान

हिंदी साहित्य के लिए 23 दिसंबर केवल एक तिथि नहीं रह गई है। यह वह दिन है, जब साहित्य की उस परंपरा ने अपने एक अत्यंत महत्वपूर्ण हस्ताक्षर को खो दिया, जो शोर से दूर, सादगी और मौन के माध्यम से मनुष्य की आंतरिक दुनिया को अभिव्यक्त करती रही है। प्रसिद्ध लेखक विनोद कुमार शुक्ल का निधन न केवल साहित्यिक जगत की व्यक्तिगत क्षति है, बल्कि यह हमारे समय की साहित्यिक संवेदना के लिए भी एक गहरी रिक्ति का संकेत है।

विनोद कुमार शुक्ल उन लेखकों में नहीं थे, जो विचारों को घोषणापत्र की तरह प्रस्तुत करते हैं। उनका लेखन किसी आंदोलन या वैचारिक ध्रुवीकरण का हिस्सा नहीं था। इसके विपरीत, वह जीवन के छोटे-छोटे अनुभवों, साधारण स्थितियों और सामान्य मनुष्य की चुपचाप सहन की जाने वाली पीड़ाओं को केंद्र में रखता था। यही कारण है कि उनका साहित्य पढ़ते समय पाठक को किसी प्रकार का वैचारिक दबाव नहीं महसूस होता, बल्कि एक गहरा आत्मीय संवाद स्थापित होता है।

छत्तीसगढ़ की भूमि, विशेषकर रायपुर, उनकी रचनात्मक यात्रा का केंद्र रही। वहीं रहते हुए उन्होंने हिंदी साहित्य को यह दिखाया कि महान साहित्य के लिए महान घटनाओं की आवश्यकता नहीं होती। नौकर की कमीज जैसे उपन्यास ने यह स्पष्ट कर दिया कि आम आदमी की प्रतीक्षा, असुरक्षा और अधूरे सपने भी साहित्य का केंद्रीय विषय हो सकते हैं। यह कृति भारतीय समाज के उस वर्ग का मौन दस्तावेज है, जो जीवन भर प्रतीक्षा करता है, लेकिन शायद ही कभी अपनी आवाज ऊँची कर पाता है। उनकी अन्य कृतियाँ– दीवार में एक खिड़की रहती थी और पेड़ पर कमरा–भी इसी परंपरा को आगे बढ़ाती हैं। ये रचनाएँ शोर नहीं मचातीं, बल्कि मनुष्य के भीतर बसे अकेलेपन, उसकी छोटी इच्छाओं और उसके अनकहे संघर्षों को सामने लाती हैं। विनोद कुमार शुक्ल का लेखन यह सिद्ध करता है कि मौन भी एक सशक्त अभिव्यक्ति हो सकता है।

उनकी भाषा विशेष रूप से उल्लेखनीय रही। वह न तो अलंकृत थी और न ही कृत्रिम। साधारण बोलचाल की भाषा में गहरी दार्शनिक संवेदना रच देना उनकी विशिष्टता थी। उनके यहाँ शब्दों से अधिक महत्त्व उन रिक्त स्थानों का है, जो पाठक को सोचने, रुकने और अपने अनुभव जोड़ने का अवसर देते हैं। यह एक ऐसी साहित्यिक नैतिकता है, जो आज के त्वरित और उपभोग-केंद्रित समय में दुर्लभ होती जा रही है। आज जब साहित्य भी अक्सर तात्कालिक प्रतिक्रिया, प्रचार और दृश्यता की होड़ में शामिल दिखाई देता है, विनोद कुमार शुक्ल का लेखन हमें ठहराव का महत्व समझाता है। उनका साहित्य यह स्मरण कराता है कि संवेदना, करुणा और मानवीय दृष्टि अब भी साहित्य के मूल मूल्य हैं। वे पाठक को निर्देश नहीं देते, बल्कि उसके साथ सहयात्री की तरह चलते हैं। उनका निधन हिंदी साहित्य में उस परंपरा को कमजोर करता है, जो सादगी को सौंदर्य और मौन को भाषा मानती है। यह क्षति केवल साहित्यकारों की नहीं, बल्कि उस समाज की भी है, जो साहित्य के माध्यम से स्वयं को समझने की कोशिश करता है।

विनोद कुमार शुक्ल भले ही आज हमारे बीच न हों, लेकिन उनका लेखन हमारे समय से लगातार प्रश्न करता रहेगा–क्या हम अब भी संवेदना को सुनने का धैर्य रखते हैं? यही किसी सच्चे लेखक की सबसे बड़ी उपस्थिति होती है।

लेखक-अभिषेक उपाध्याय श्रीमंत , प्रभारी प्राचार्य -एस वी डी गुरुकुल महाविद्यालय, ऊंचगांव, जौनपुर।

पाकिस्तानी हुक्मरानों को बेनकाब करती फिल्म धुरंधर

-नरेंद्र तिवारी 'पत्रकार'

फिल्म देखने के पूर्व समीक्षाए पढना माइंड सेट करती है। धुरंधर को देखने से पूर्व इसकी तमाम समीक्षाओं ने भी यही किया। लेखकों ने समीक्षाओं में अपने विचारों को थोपने की कोशिश भी की। असल में फिल्म धुरंधर सभी समीक्षाओं के पार अपने नाम के अनुरूप दर्शकों के मन को भा गयी। फिल्म देखकर यह महसूस हुआ की फिल्मी समीक्षाए पढ़कर किसी भी प्रकार की धारणाओं का निर्माण फिल्म के साथ अन्याय होता है। धुरंधर के विषय में कुछ ऐसी ही स्थिति बनी। आमतौर पर जब छोटे शहरों में सिनेमाघर संकट के दौर से गुजर रहे हो, बरसों बाद कुछेक मूवी इन बदहाल सिनेमा घरों को गुलजार कर जाती है, फिल्म धुरंधर भी इसी श्रेणी की फिल्मो में शामिल की जा सकती है। इस दौर में सच कहना, लिखना और दिखाना साहसिक कार्य हो गया है फिर फिल्मो के माध्यम से सच दिखाना तो और भी कठिन हो गया है। बरसों में एक दो फिल्म सच कह पाती है धुरंधर उनमे से एक है। इस फिल्म में भारत के पड़ोसी मुल्क पाकिस्तान के हुक्मरानों को बेनकाब किया गया है जो बरसों से भारत में आतंकी गतिविधियों को अंजाम दे रहे है। उन्होंने भारत को अशांत करने के लिए सारी मयार्दाओ को तोड़ दिया।

पाकिस्तान प्रायोजित आंतकवाद ने भारत की संसद पर हमला किया, मुंबई में 26/11के हमले को अंजाम दिया, नकली करेंसी भेजकर भारतीय अर्थ व्यवस्था को नुकसान पहुंचाया, भारत के कश्मीर सहित सीमावर्ती राज्यों में लगातार लम्बे समय तक आंतकी गतिविधियों को अंजाम दिया। यह सब पाकिस्तानी हुक्मरानों के इशारों पर पाकिस्तान में चल रहे आतंक के कारखानों, पाक सेना द्वारा प्रशिक्षित आतंकियों ने भारत में घुसकर किया।

धुरंधर आदित्य धर द्वारा लिखित ऐसी ही एक्शन फिल्म है। इसमें रणवीर सिँह, अक्षय खन्ना, आर माधवन, अर्जुन रामपाल, संजय दत्त, सारा अर्जुन और राकेश बेदी का शानदार अभिनय है। मानव गोहिल, दानिश पंडोर, सौम्या टंडन, गौरव गेरा और नवीन कौशिक सपोर्टिंग रोल में है। फिल्म की शुरूवात 2001 में हुए संसद पर हमले के बाद विदेश मंत्री देवव्रत कपूर और आईबी के निदेशक के मध्य बातचीत से होती है। जिसमे कपूर, सन्याल के 'आपरेशन धुरंधर'

को मंजूरी देते है। सन्याल भारतीय ऐजेंट हमजा अली मजारी को अफगानिस्तान के रास्ते पाकिस्तान भेजते है। हमजा की कराची के ल्यारी में मुलाकात मोहम्मद आलम से होती है, जो जूस की दुकान का मालिक है। हमजा जूस की दुकान पर वेटर का काम करता है, इस दौरान उसे गेंगस्टर रहमान डकैत और उसके विरोधी गैंग का पता चलता है। बलूच होने के नाते हमजा सिर्फ रहमान के गिरोह में ही शामिल हो सकता है। हमजा रहमान के गिरोह में शामिल होने की ताक में रहता है। इसी दौरान आलम और हमजा को पता चलता है की रहमान से अलग हुए बाबू डकैत के नैतृत्व में एक पठान गिरोह, रहमान के बड़े बेटे नईम बलूच को मारने की योजना बना रहे है। अगले दिन बाबू के आदमी एक शादी पर हमला करते है, जिसमे नईम और उसका छोटा भाई फैजल भी शामिल होता है। हमजा फैजल को बचा लेता है, लेकिन नईम मारा जाता है। अस्पताल में हमजा रहमान और उजेर से मिलता है, यहां से हमजा रहमान की गैंग में शामिल हो जाता है। गैंग में शामिल होकर अपने कामों से रहमान का खास बन जाता है। हमजा यहीं से पाकिस्तानी सरकार के हुक्मरानों और आतंक के सरगनाओं की निकटता को देखता है। पाकिस्तान की राजनीति के बड़े नाम रहमान जमाली, व्यवसाई खनानी बंधुओ, आईएसआई प्रमुख मेजर इकबाल और रहमान डकैत की निकटता पाकिस्तानी मानसिकता को उजागर करती है। हमजा इस पूरी जुगलबंदी की भारत विरोधी गतिविधियों का साक्षी बनता है। हमजा भारत की इंटलीजेन्स को सूचनाएं भी भेजता है। हमजा द्वारा भेजी जानकारी के बाद भी 26/11 जैसी घटना घटित होती है। हमजा इसे देखकर आश्चर्यचकित रहा जाता है। वह पाकिस्तानी आंतकी गठजोड़ को खत्म करने का संकल्प लेता है। इस कार्य में जमील की बेटी यलीना से प्रेम और फिर शादी करता है। ये सबंध हमजा और जमील की निकटता को बढ़ाते है। रहमान डकैत के नेटवर्क को खत्म करने के लिए वह जमील और असलम के साथ सौदा करता है। 9 अगस्त 2009 को इसी योजना के तहत रहमान डकैत का खेल खत्म होता है।

फिल्म में हमजा अली जमाली की भूमिका रणवीर कपूर ने बखूबी निभाई रणवीर का लुक, बाड़ी और हावभाव ने उनकी अदाकारी का लोहा मानने को मजबूर कर दिया। रहमान डकैत के रोल में अक्षय खन्ना ने जान डाल दी है भूमिकाए सभी अच्छी निभाई गयी, फिल्म तीन घंटे में 30 साल की कहानी कह गयी। इस फिल्म ने पाकिस्तान की भारत विरोधी मानसिकता को उजागर किया है। जिसे भारतीय जनमानस लम्बे समय से महसूस करता आ रहा था, किंतु देख नही पाता था। फिल्मी परदे के माध्यम से पाकिस्तानी कारतूतों का सच उसी प्रकार दिखाई दिया जो भारत के नागरिको की सोच में शामिल था। फिल्म कितना कुछ बता पाई कितना बचा रह गया इसका अनुमान तो नहीं लगाया जा सकता है, किंतु भारत में अशांति फैलाने की पाकिस्तानी कोशिशो को नाकाम किया जाना बहुत जरुरी है। आपरेशन सिंदूर भारत की ऐसी ही कोशिश थी। जिसमे भारतीय सेना ने पाकिस्तान में घुसकर आतंक के कारखानों को नेस्तनाबूत किया था।

धुरंधर फिल्म का असली नायक हमजा अली जमाली है जो भारत के लिए जासुसी करने पाकिस्तान की धरती पर पहुंचाया गया था। फिल्म के बाद विभिन्न माध्यमो से इस किरदार के बारे में जानकारी एकत्रित करने पर ज्ञात हुआ की उक्त किरदार भारतीय सैनिक जसकिरत सिँह रंगी है, जिसे जासुसी के लिए पाकिस्तान भेजा गया था। कुछेक माध्यम रंगी को एक कैदी भी बता रहे है जिसने खुद को छुड़ाने के लिए पाकिस्तान जाना भी मंजूर किया। असल में इस कार्य के लिए साहसी जीने का मकसद खो चुके व्यक्ति की तलाश थी, रंगी को यह भूमिका दी गयी थी। इन जानकारियों में कितनी सच्चाई है यह तो कह पाना मुश्किल है, किंतु इतना जरूर कहा जा सकता है की फिल्म के निमार्ता निर्देशक ने सच्ची कहानी से जुडी फिल्म बताया है।

असल में पाकिस्तान के हुक्मरानों ने अपनी सत्ता को बनाए रखने के लिए भारत में आतंकी गतिविधियों को बरसों तक अंजाम दिया है। सच्चाई यह भी है की पाकिस्तान के सत्तानवीशो का चरित्र कभी भी मानवीय नही रहा। यही कारण रहा की पाकिस्तान प्रगति की दौड़ में पिछड़ गया। जबकि भारत ने पाकिस्तान की काली कारतूतों का जवाब भी दिया और दुनियाँ को यह दिखाने में कामयाब भी हो गया की पाकिस्तान की जमीन आतंक के कारखानों के रुप में उपयोग की जाती रही है। आपरेशन सिंदूर इन्ही कारखानों को नेस्तनाबूत करने की कार्यवाही थी। फिल्म धूरंधर ने तीन घंटे में बरसों से जारी पाकिस्तानी हुक्मरानों की भारत विरोधी नीतियों और काली कारतूतों को बेनकाब करने की कामयाब कोशिश की है।

आध्यात्मिकता का जीवन में बड़ा ही महत्व है

मनुष्य का जीवन आज विभिन्न कार्यों में उलझा हुआ है। वह अपने जीवन की व्यस्तता में यह भूल जाता है कि जिस दैनिक कार्य में वह इतनी रुचि ले रहा है वह किसके कारण संभव है। वह स्मरण नहीं कर पता कि अगर उसे संसार रूपी सागर को पार करना है तो जिस प्रकार किसी समुद्र, नदी या तालाब को पार करने के लिए नौका या किसी दूसरे वाहन का सहयोग लेना पड़ता है। ठीक उसी प्रकार संसार रूपी सागर को पार करने के लिए ईश्वर रूपी नौका की सहायता लेनी पड़ती है। एक बार मैंने सोचा कि ईश्वर के बिना हम इस माया रुपी संसार में क्या ठीक-ठीक भूमिका निभा पायेंगे यह एक बड़ा रोचक प्रश्न है? जिसके खोज में मैंने यह अनुभव किया कि मैं एक बार (स्टेशन) रेलगाड़ी पड़ाव स्थल पर लौह पथ गामिनी (ट्रेन) की प्रतीक्षा में बैठा था। अचानक यह देखा कि एक एक्सप्रेस ट्रेन के बहुत सुंदर, रंगीन डब्बे एक सामान्य कड़ी से जुड़े बड़ी सरलता से जा रहे थे। किंतु यह प्रश्न है कि खाली डिब्बे के जोड़ने से क्या पूरा सफर तय किया जा सकता है? बिल्कुल नहीं इन डिब्बों को इंजन रूपी माध्यम की आवश्यकता है। इस प्रकार हम मनुष्य वह डिब्बे हैं जो सुंदरता के साथ ज्ञान भाव और विभिन्न प्रकार के मौलिक विचारों में बधे हुए हैं। परंतु बिना भगवान नाम के इंजन के अधूरे हैं। आध्यात्मिकता जीवन में बहुत ज्यादा महत्व देता है। मुझे कुछ भजन के बोल याद आ रहे हैं जो मनुष्य को आध्यात्मिकता से जोड़ता है।

नियति भेद नहिं करती
जो लेती है वो देती है।
जो बोयेगा वो काटेगा
ये जग कर्मो की खेती है।
यदि कर्म तेरे पवन है
डूबेगी नहीं तेरी नाव कभी।

ठीक उसी प्रकार यह भजन के बोल बताता है कि नियति कभी मनुष्य से भेद भाव नहीं रख पाती है। वह हमेशा उसे वह देती है जो उसके हित में हो यह हमें समझना चाहिए कि ईश्वर कभी-कभी किसी कार्य में विलम्ब जरूर करता है, पर वह हमेशा सही ही देता है। आध्यात्मिक विश्वास मनुष्य को होना बहुत जरूरी है। मैंने यह बहुत बार अनुभव किया है कि अगर कर्म हमारे सही हैं, तो चाहे कुछ भी हो जाए हमारी नैया सही रहेगी। क्युकि सत्य की नैया हमेंशा डगमगाती है मगर डूबती नहीं। जिस तरह एक बाग बगैर माली के अधूरा है ठीक उसी प्रकार मनुष्य एक बगीचा कि तरह है जिसमे ईश्वर नामक माली के बिना वह अधूरा है। आध्यात्मिक ज्ञान हमें जीवन की सरलता और सहजता से चलने का मार्ग दिखाता है। आज शिक्षा के माध्यम से हम शिष्य को सही राह पर लेकर जा सकते हैं। स्वामी चिन्मयानंद जी ने बताया है कि- भ्रमित शिष्य को उपदेश देते समय गुरु के लिए यह पर्याप्त नहीं है कि वह केवल दार्शनिक शक्तियों का नाम निर्देश कर उनकी गणना करें। आवश्यकता होती है कि वह उन विचारों की एक ऐसी सुंदर संयोजन करें जिससे विद्यार्थी को सभी विचार पुष्प गुच्छ के समान एक ही स्थान पर प्राप्त हो जाए। ज्ञान से श्रेष्ठ ध्यान है। श्रवण आदि साधनों से प्राप्त किए गए ज्ञान पर ध्यान करना उस ज्ञान से अधिक श्रेष्ठ है। आज का युवक अज्ञान के कारण सही राह पर नहीं चल पाता है। इसलिए संस्कृत में एक श्लोक है सा विद्या या विमुक्तये अर्थात जिसके पास विद्या है, ज्ञान है उसी की मुक्ति है। अगर जीवन में आध्यात्मिकता है तो अवगुणों से मुक्त निश्चित है।

- विकास मिश्रा, वाणिज्य विभाग (कनिष्ठ महाविद्यालय)

मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के तहत वाडा-खडकोना में श्रमदान से वनराई बांध का निर्माण

पालघर(उत्तरशक्ति)। मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के प्रभावी क्रियान्वयन के अंतर्गत जिला परिषद पालघर की पहल से वाडा तहसील अंतर्गत स्थित खडकोना ग्राम पंचायत क्षेत्र में सामूहिक श्रमदान के माध्यम से वनराई बांध का सफल निर्माण किया गया। इस जनसहभागिता आधारित अभियान में प्रशासन, ग्राम पंचायत और ग्रामीणों की सक्रिय भागीदारी देखने को मिली।

इस अवसर पर जिला परिषद पालघर के मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे, अतिरिक्त मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्र शिंदे, निवासी उपजिलाधिकारी सुभाष भागडे तथा उपमुख्य कार्यकारी अधिकारी (पंचायत) अशोक पाटील के मार्गदर्शन में जिला परिषद के विभाग प्रमुख एवं कर्मचारी, गट विकास अधिकारी एवं उनका स्टाफ, खडकोना ग्राम पंचायत प्रशासन, ग्रामवासी, आंगनवाड़ी सेविकाएं व सहायिकाएं, शिक्षक-विद्यार्थी, महिला बचत समूह की सदस्याएं, वन विभाग के अधिकारी तथा विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने उत्साहपूर्वक श्रमदान किया।

वनराई बांध के निर्माण से वर्षा जल का संचयन होगा, जिससे भूजल स्तर में वृद्धि होने के साथ-साथ क्षेत्र की कृषि के लिए जल उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इसके अलावा मृदा अपरदन पर रोक लगेगी और पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में भी यह परियोजना सहायक सिद्ध होगी। अधिकारियों ने बताया कि यह पहल शासन की जल संरक्षण नीति को जमीनी स्तर पर साकार करने का एक महत्वपूर्ण उदाहरण है।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी मनोज रानडे ने कहा कि मुख्यमंत्री समृद्ध पंचायत राज अभियान के तहत प्रशासन, जनप्रतिनिधि और नागरिकों के समन्वय से ग्राम स्तर पर विकासोन्मुख योजनाओं को प्रभावी ढंग से लागू किया जा रहा है। खडकोना में निर्मित वनराई बांध इसी उद्देश्य का प्रतीक है। उन्होंने यह भी बताया कि भविष्य में भी जनसहभागिता के माध्यम से जल संरक्षण और ग्रामीण विकास से जुड़े कार्यों को और अधिक गति दी जायेगी।

सफाले में राज्य स्तरीय स्कूली बेसबॉल प्रतियोगिता का भव्य आयोजन

राज्य भर से 19 वर्ष से कम आयु के खिलाड़ी लेंगे हिस्सा

पालघर(उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र की स्कूली खेल गतिविधियों को नई ऊँचाई देने वाली राज्य स्तरीय स्कूली बेसबॉल प्रतियोगिता 2025-26 का भव्य आयोजन पालघर जिले के सफाले स्थित डॉ. पांडुरंग वामन अमृते शिक्षण संस्था में किया जा रहा है। यह प्रतिष्ठित प्रतियोगिता 26 से 28 दिसंबर 2025 के दौरान संपन्न होगी। इस प्रतियोगिता का आयोजन क्रीड़ा व युवक सेवा संचालनालय, महाराष्ट्र राज्य (पुणे) के अंतर्गत जिला क्रीड़ा अधिकारी कार्यालय, पालघर एवं जिला क्रीड़ा परिषद, पालघर के संयुक्त तत्वावधान में किया गया है। राज्य स्तरीय इस स्पर्धा में मुंबई, नाशिक, छत्रपति संभाजीनगर, अमरावती, लातूर, कोल्हापुर और पुणे विभागों से 19 वर्ष से कम आयु के बालक एवं बालिका स्कूली खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। यह प्रतियोगिता उभरते खिलाड़ियों के लिए अपनी प्रतिभा साबित करने और राज्य स्तर पर पहचान बनाने का सुनहरा अवसर प्रदान करेगी। प्रतियोगिता के सफल आयोजन को लेकर आयोजित नियोजन बैठक में जिला क्रीड़ा अधिकारी सुहास व्हनमाने, महाराष्ट्र बेसबॉल एसोसिएशन के उपाध्यक्ष इंद्रजीत नितनवार, तकनीकी समिति अध्यक्ष अशोक सरोदे, चयन समिति सदस्य विनीत सकपाल, ऋषिकेश राऊल, सायमा बागवान, राज्य समन्वयक प्रीतीश पाटील, प्राचार्या मधुमती कुलकर्णी, मुख्याध्यापिका सुचिता पाटील, क्रीड़ा शिक्षक रमाकांत घरत तथा क्रीड़ा शिक्षिका प्रियंका पाटील सहित आयोजन समिति के सदस्य उपस्थित थे। इस अवसर पर डॉ. अमृते शिक्षण संस्था के अध्यक्ष पुरुषोत्तम करांडे, उपाध्यक्ष विलास पाटील, माजी उपमुख्याध्यापक राजन घरत, शारीरिक शिक्षक महासंघ के जिलाध्यक्ष प्रमोद पाटील और जिला समन्वयक आशीष पाटील ने उपस्थित रहकर मार्गदर्शन किया। जिला क्रीड़ा अधिकारी सुहास व्हनमाने ने विश्वास व्यक्त किया कि यह प्रतियोगिता केवल खेल तक सीमित न रहकर अनुशासन, टीम भावना और खेल संस्कृति को बढ़ावा देगी तथा ग्रामीण क्षेत्र के खिलाड़ियों को प्रोत्साहन देकर स्कूली खेल आंदोलन को नई दिशा देगी।

नए साल में करें नई शुरूआत: 2026 में ओरल हेल्थ पर दें खास ध्यान : डॉ सोनिया दत्ता

मुंबई/पटना। डॉ सोनिया दत्ता, एमडीएस, पीएचडी; प्रोफेसर, पब्लिक हेल्थ डेन्टिस्ट्री के अनुसार, क्या आप जानते हैं कि आपकी ओरल हेल्थ यानि मुंह के स्वास्थ्य का असर शरीर के पूरे स्वास्थ्य पर पड़ता है। उदाहरण के लिए अगर आपके मसूड़ों में सूजन है तो इसका असर पाचन पर, हृदय पर और पूरी सेहत पर भी पड़ सकता है। तो क्यों न नए साल की शुरूआत के साथ अपनी आदतों में कुछ बदलाव लाएं और मुंह की देखभाल पर विशेष ध्यान दें। अक्सर जब भी सेहत की बात आती है तो हम अपने खाने, व्यायाम, और नींद जैसे पहलुओं की बात करते हैं। क्योंकि हमें लगता है कि ये सभी पहलु हमारे स्वास्थ्य पर सीधा असर डालते हैं। लेकिन एक और महत्वपूर्ण पहलु है आपका मुंह, जिससे पूरे शरीर का स्वास्थ्य जुड़ा है। इसलिए अगर आप 2026 में अपनी सेहत की देखभाल का संकल्प लेने जा रहे हैं, तो सबसे पहले ओरल केयर पर ध्यान दें। आयुर्वेद को अपनाएं-आयुर्वेदिक जड़ी बूटियां को सदियों से मुंह के स्वास्थ्य के लिए कारगर माना जाता रहा है। ऐसी ही कुछ जड़ी-बूटियां हैं: लौंग का तेल- यह मुंह में बैक्टीरिया को पनपने से रोकता हैं, और असहजता को दूर करता है।

विहिप-बजरंग दल के शौर्य पथ संचलन में राष्ट्रप्रेमीयों का उमड़ा सैलाब

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। शौर्य दिवस (गीता जयंती) के पावन अवसर पर गुरुवार 25 दिसंबर 2025 को पालघर जिले के बोईसर शहर में विश्व हिंदू परिषद एवं बजरंग दल, पालघर जिला के संयुक्त तत्वावधान में भव्य शौर्य पथ संचलन एवं धर्म सभा का आयोजन किया गया। सायंकाल सर्कस ग्राउंड से प्रारंभ हुए इस आयोजन में बड़ी संख्या में राष्ट्रप्रेमी नागरिक, अनुशासित स्वयंसेवक एवं कार्यकर्ता पुलिस के व्यापक बंदोबस्त के बीच सहभागी बने।

बजरंग दल के गणवेश में कतारबद्ध स्वयंसेवकों की टोलियां सर्कस ग्राउंड से बोईसर रेलवे स्टेशन, न्यू वृजवाशी होटल (नावापुर रोड), मधुर नाका, ओस्तवाल गेट होते हुए पुनः सर्कस ग्राउंड पहुंचीं। पूरे मार्ग पर भारत माता की जय और जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से वातावरण राष्ट्रभक्ति से ओतप्रोत हो उठा। अनुशासन, शिष्टाचार और एकरूपता ने शौर्य पथ संचलन को विशेष गरिमा प्रदान की। संचलन के उपरांत आयोजित धर्म सभा में स्वामी भारतानंद सरस्वती जी महाराज ने राष्ट्र, धर्म और समाज के प्रति जागरूकता का संदेश दिया। प्रमुख वक्ता बजरंग दल के केंद्रीय सह-संयोजक विवेक कुलकर्णी ने प्रभावशाली संबोधन में आपसी सामंजस्य और राष्ट्रीय एकता को समय की आवश्यकता बताया। उन्होंने बांग्लादेश में हो रही घटनाओं की कड़ी निंदा करते हुए धर्मांतरण के पश्चात हिंदुओं की घर वापसी तथा बजरंग दल कार्यकताओं को

बोईसर की सड़कों पर गूंजा भारत माता की जय का उद्घोष

व्यसनमुक्त जीवन का संकल्प दिलाया। शौर्य पथ संचलन के दौरान विभिन्न स्वयंसेवी संस्थाओं एवं नागरिकों द्वारा स्थान-स्थान पर पुष्पवर्षा कर प्रतिभागियों का भव्य स्वागत किया गया, जिससे आयोजन का उत्साह और बढ़ गया। इस सफल आयोजन में विहिप उत्तर मुंबई जिला विभाग प्रमुख चंदन सिंह, जिला प्रमुख महावीर सोलंकी जैन, मंत्री जयेश घरत, सहमंत्री रामरंजन सिंह, धमार्चार्य जिला प्रमुख मुकेश दुबे, बजरंग दल जिला प्रमुख कुंदन सिंह, मनोज मिश्रा, राबिन सिंह, प्रखंड प्रमुख एस.पी. सिंह, मंत्री अरविंद सिंह, मातृशक्ति जिला प्रमुख शैलबाला सिंह यादव, गौरक्षा विभाग प्रमुख राजन चौबे सहित अनेक कार्यकताओं की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

धर्म सभा में विशेष रूप से विहिप पालघर विभाग प्रमुख महेश मिस्त्री, बजरंग दल प्रांत संयोजक रंजीत जाधव, सहमंत्री मिथुन नाईक, संघ चालक विनोद बाजपेई सहित विभिन्न सामाजिक संगठनों के प्रतिनिधि एवं राजनैतिक पदाधिकारीयों के अलावा अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका में डा.भाऊसाहेब उर्फ पंजाबराव देशमुख की मनाई गयी जयंती

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। महाराष्ट्र शासन के सामान्य प्रशासन विभाग के दिनांक 18.02.2025 के परिपत्रक तथा भिवंडी निजामपुर शहर महानगरपालिका के प्रशासक एवं आयुक्त अनमोल सागर (भा.प्र.से.) के निदेर्शानुसार आज दिनांक 27.12.2025 को डा. भाऊसाहेब उर्फ पंजाबराव देशमुख जयंती के अवसर पर महानगरपालिका मुख्यालय के भूतल पर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विभाग प्रमुख (घनकचरा) फैजल तातली के शुभहस्ते डा. भाऊसाहेब उर्फ पंजाबराव देशमुख की प्रतिमा पर पुष्पहार अर्पित कर उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। कार्यक्रम के कार्यक्रम के अवसर पर निर्वाचन विभाग प्रमुख अजित महाडिक, मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक जे.एम. सोनावणे (पूर्व), मुख्य स्वास्थ्य निरीक्षक हरेश भंडारे (पश्चिम), बारानिशी विभाग प्रमुख श्रीमती सुरेखा पावडे सहित महानगरपालिका के अन्य अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित थे।

केडीएमसी में सबसे ज्यादा नगरसेवक शिवसेना के होंगे: शिंदे

कल्याण (उत्तरशक्ति)। कल्याण में आयोजित शिवसेना की विजय निर्धार सभा में उपमुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे ने महाविकास आघाडी पर निशाना साधते हुए कहा कि नगर पालिका और नगर परिषद चुनाव में विरोधियों का बैंड बजा है और आगामी महापालिका चुनाव में भी बजेगा। शिंदे ने नाम ना लेते हुए ठाकरे बंधुओं की भी जमकर खबर ली और कहा कि केवल सत्ता के लिए कुछ लोग एक साथ आए हैं, उन्हें मराठी भाषा या अस्मिता से कोई लेनादेना नहीं है।

बतादें कि शुक्रवार को कल्याण पूर्व के चक्की नाका स्थित गुणगोपाल मैदान में शिवसेना की विजय निर्धार सभा हुई। सभा में शिवसेना की प्रवक्ता ज्योति वाघमारे, सांसद डा.श्रीकांत शिंदे, विधायक राजेश मोरे, कल्याण जिला प्रमुख गोपाल लांडगे, अरविंद मोरे, शहर

प्रमुख नीलेश शिंदे, विधानसभा संपर्क प्रमुख महेश गायकवाड़, शहर प्रमुख रवि पाटील, उपशहर प्रमुख नवीन गवली,पूर्व नगरसेवक मयूर पाटील, पूर्व महापौर रमेश जाधव, पूर्व नगरसेवक सचिन पोटे,पूर्व नगरसेवक राजाराम पावशे, रमाकांत देवलेकर, हर्षवर्धन पलांडे,सतीश जाधव,मधुर म्हात्रे, सहित बड़ी संख्या में शिवसेना के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

निकाय चुनाव में शिवसेना और भाजपा के बीच युति (गठबंधन) होगी या नहीं इसे लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई है। हालांकि कार्यकताओं को संबोधित करते हुए एकनाथ शिंदे ने अपील की, कि कल्याण पूर्व में सर्वाधिक नगरसेवक शिवसेना के चुनकर आना चाहिए। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि केडीएमसी पर महायुति का महापौर बनाने के लिए काम करें। अपने बयान से एकनाथ शिंदे ने यह संकेत दिया कि कल्याण-डोंबिवली का चुनाव युति में ही लड़ा जाएगा।

एकनाथ शिंदे ने नाम ना लेते हुए उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे पर भी हमला बोला। शिंदे ने कहा कि कुछ लोग हिंदुत्व और मराठी अस्मिता की बात करते हैं, उनसे मैं पूछना चाहूंगा कि उन्होंने मराठी भाषा या अस्मिता के लिए आखिर किया क्या। वे लोग केवल सत्ता के लिए एक साथ आए हैं।

मुंबई भाजपा प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह को मिला पत्रकार मित्र पुरस्कार

मुंबई (उत्तरशक्ति)। पत्रकारिता और समाज के बीच सेतु का कार्य करने वाले व्यक्तित्वों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से पत्रकार विकास परिषद (ढश्र) द्वारा इस वर्ष का पत्रकार मित्र पुरस्कार मुंबई भाजपा के प्रवक्ता उदयप्रताप सिंह को मालाड पश्चिम स्थित साई पैलेस में आयोजित भव्य समारोह में प्रदान किया गया।

इस अवसर पर विधायक संजय उपाध्याय, जाबांज अधिकारी समीर वानखेडे, आरटीआई कार्यकर्ता अनिल गलगली, अमरजीत मिश्रा, डॉ राधेश्याम तिवारी, विनोद मिश्रा,डीसीपी जाधव, सुनील कोली, वरिष्ठ पत्रकार सय्यद सलमान, शैलेंद्र श्रीवास्तव, अभय मिश्रा, पंकज जायसवाल, रामसेवक पांडे, शिवपूजन पांडेय, अमर त्रिपाठी, राजकुमार सिंह, रामविलास सिंह,

महेश दुबे समेत अनेक गणमान्य उपस्थित थे। लोकतंत्र में पत्रकारों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होती है और उनके कार्यों में सहयोग, संवाद तथा पारदर्शिता बनाए रखने वाले व्यक्तित्वों को सम्मानित करना आवश्यक है। उदयप्रताप सिंह ने अपने सार्वजनिक जीवन में पत्रकारों के साथ निरंतर संवाद, सकारात्मक सहयोग और जनहित से जुड़े विषयों पर स्पष्ट पक्ष रखने का कार्य किया है। मुंबई भाजपा के प्रवक्ता के रूप में उदयप्रताप सिंह ने सदैव पत्रकारों के प्रश्नों का सहजता और स्पष्टता के साथ उत्तर दिया है। कठिन परिस्थितियों में भी मीडिया से संवाद बनाए रखना, तथ्यात्मक जानकारी उपलब्ध कराना और लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा करना उनकी कार्यशैली का प्रमुख हिस्सा रहा है। पत्रकार विकास परिषद (ढश्र) के अध्यक्ष आनंद मिश्रा, सुनील कुमार सिंह, अजय सिंह के अनुसार उदयप्रताप सिंह ने पत्रकारों की समस्याओं को समझते हुए कई अवसरों पर उनके हितों के लिए सकारात्मक भूमिका निभाई है। इसी योगदान के लिए उन्हें पत्रकार मित्र पुरस्कार से सम्मानित करने का निर्णय लिया गया। उदयप्रताप सिंह को यह पुरस्कार मिलने पर अनेक सामाजिक संगठनों ने खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी है।

तालुका स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी में रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज के विद्यार्थियों ने उत्कृष्ट प्रदर्शन कर फहराया परचम

आचार्य सूरजपाल यादव

भिवंडी (उत्तरशक्ति)। पंचायत समिति भिवंडी द्वारा छात्रो में साइंटिफिक सोच विकसित करने हेतु आठगांव हाई स्कूल (कोन गांव) में 53वीं दो दिवसीय तालुका स्तर की विज्ञान प्रदर्शनी का आयोजन किया गया। उक्त विज्ञान प्रदर्शनी में तालुका के विभिन्न स्कूलों और कालेजों के 131 प्रोजेक्ट्स प्रस्तुत किए गये जिसमें रईस हाई स्कूल एंड जूनियर कालेज की ओर से हायर सेकेंडरी के विद्यार्थियों में असद साजिद अंसारी और शाह सैफ परहेज ने अपने प्रोजेक्टरअकवा लेजररके साथ एग्जीबिशन में हिस्सा लिया और स्पेशल कैटेगरी के इस प्रोजेक्ट को प्रथम पुरस्कार प्राप्त हुआ। दोनों छात्रों ने यह प्रोजेक्ट अंसारी सुमय्या

अनीस अहमद के मार्गदर्शन में प्रस्तुत किया था। इसी तरह वसीक अस्सार ने लैब अटेंडेंट कैटेगरी में रहैंड मेड माइक्रोस्कोपरप्रस्तुत कर के प्रथम पुरस्कार प्राप्त करने में सफल रहे । शेख आसिफ अब्दुल रफीक सर ने प्राइमरी टीचिंग एड कैटेगरी में साइनसी बाक्स प्रस्तुत कर के द्वितीय पुरस्कार प्राप्त करने में सफल रहे। छात्रों, अध्यापकों एवं प्रयोगशाला सहायक के इस शानदार सफलता पर केएमई सोसायटी के अध्यक्ष अल्माज फकीह, सचिव दानियाल काजी, कोषाध्यक्ष फहद बुबेरे, चेयरमैन यासर तातली, प्रिंसिपल जियाउर रहमान अंसारी, वाइस प्रिंसिपल आमिर सिद्दीकी,असिस्टेंट हेड मास्टर मुख्लिस मदू, सुपरवाइजर्स असरार पठान, मुजदान मुल्ला, सिब्तैन कशेलकर, वाईसीएमओयू स्टडी सेंटर समन्वयक अब्दुल अजीज अंसारी और सभी स्टाफ की ओर से सफल छात्रो और मार्गदर्शक अध्यापकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी है।

बांग्लादेश में हिंदुओं पर हो रहे हमले निंदनीय व बर्दाश्त के बाहर: विवेक कुलकर्णी

पालघर(उत्तरशक्ति/अजीत सिंह)। बांग्लादेश में अल्पसंख्यक हिंदू समाज पर योजनाबद्ध तरीके से हो रहे हमले और हाल ही में सामने आई जिंदा जलाने जैसी घटनाएं अत्यंत निंदनीय और शर्मनाक हैं। हिंदू समाज कभी आक्रामक नहीं रहा, लेकिन लगातार हो रहे अत्याचारों को अब अनदेखा नहीं किया जा सकता। बजरंग दल ऐसे कृत्यों की कड़ी निंदा करता है और केंद्र सरकार से मांग करता है कि वह इस विषय में कठोर और निर्णायक कदम उठाए। उक्त विचार बजरंग दल के केंद्रीय सह-संयोजक विवेक कुलकर्णी ने पालघर जिले के बोईसर शहर अंतर्गत स्थित रजत नगर के रूप सोलंकी पैलेस में आयोजित पत्रकार परिषद में व्यक्त किये। यह बैठक बजरंग दल पालघर जिला द्वारा आयोजित की गई थी।

विवेक कुलकर्णी ने कहा कि बांग्लादेश में हिंदुओं को सुनियोजित साजिश के तहत निशाना बनाया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि अब ऐसी घटनाओं को बर्दाश्त नहीं किया जायेगा। पत्रकारों के

सवालों के जवाब में उन्होंने कहा कि हिंदू हितों की रक्षा के लिए बजरंग दल पूरी तरह प्रतिबद्ध है। उन्होंने आगे कहा कि धर्मांतरण और ह्यलव जिहादह्ल जैसी गतिविधियां समाज के लिए गंभीर चुनौती बन चुकी हैं। इन पर रोक लगाने के लिए जनजागरूकता आवश्यक है और बजरंग दल इस दिशा में लगातार कार्य कर रहा है। घर-वापसी अभियान, संगठन को मजबूत करना और युवाओं को गलत तत्वों के चंगुल से बचाना संगठन की प्राथमिकताओं में शामिल है। गौ-रक्षा के विषय पर बोलते हुए कुलकर्णी ने कहा कि गो-पालन और गो-संरक्षण को बढ़ावा देना समय की आवश्यकता है। सरकारों को गो-धन के उपयोग को प्रोत्साहित करना चाहिए तथा गोशालाओं की स्थिति में सुधार के लिए ठोस कदम उठाने चाहिए। बजरंग दल का उद्देश्य गौ-संरक्षण को एक सामाजिक आंदोलन बनाना है। इस अवसर पर विहिप पालघर विभाग प्रमुख महेश मिस्त्री, बजरंग दल कोंकण प्रांत संयोजक रंजीत जाधव, हिंदू शक्ति पीठ पालघर संस्थापक भारतानंद सरस्वती महाराज, विहिप जिला प्रमुख महावीर सोलंकी जैन, मंत्री जयेश घरत सहित अनेक मीडियाकर्मी उपस्थित थे।

आर्या ओम्निटॉक द्वारा कृषि वनस्थलीय उपक्रम आर्यावन की शुरूआत

मुंबई। सुरक्षा, गतिशीलता और संचार से संबंधित समाधान-आधारित सेवाएँ प्रदान करने वाली अग्रणी कंपनी आर्या ओम्निटॉक ने आज अपने सीएसआर उपक्रम आर्यावन का शुभारंभ किया। यह एक महत्वाकांक्षी परियोजना है, जो पर्यावरणीय पुनर्स्थापन और ग्रामीण समुदायों के सशक्तीकरण को समर्पित है। इस परियोजना के अंतर्गत एक लाख वृक्षों का रोपण किया जाएगा। किसानों के लिए दीर्घकालिक आजीविका के अवसर सृजित करना, साथ ही पर्यावरणीय संतुलन और जैव विविधता के संरक्षण को बढ़ावा देना, इस पहल का प्रमुख उद्देश्य है।

कंपनी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परेश शेट्टी के नेतृत्व में परिकल्पित आर्यावन पहल एक सरल लेकिन प्रभावशाली विचार पर आधारित है। इसका मूल विचार यह है कि प्रौद्योगिकी का वास्तविक और सर्वोच्च उद्देश्य तभी पूर्ण होता है, जब वह उस समाज को कुछ लौटाए, जिसकी बदौलत उसका अस्तित्व बना हुआ है। पुनरुत्पादक, दीर्घकाल तक टिकने वाला और जीवनदायी कुछ सृजित करने की भावना को ही वन शब्द अभिव्यक्त करता है, जो इस पहल का सार है। आर्यावन के अंतर्गत वृक्षारोपण, स्थायी कृषि पद्धतियाँ, पर्यावरण संरक्षण और आजीविका विकास पर विशेष ध्यान दिया जाएगा, तथा किसानों के लिए नए अवसरों के सृजन को प्राथमिकता दी जाएगी।

आर्या ओम्निटॉक को आर्यावन के लिए प्रेरणा इस दीर्घकालिक प्रतिबद्धता से मिली, जो नवोन्मेषी प्रौद्योगिकी के माध्यम से अधिक सुरक्षित और जुड़े हुए समुदाय बनाने में निहित है। पिछले कुछ वर्षों में कंपनी ने यह भी समझा है कि प्रगति पर्यावरण को नुकसान पहुँचाकर नहीं होनी चाहिए, यह उसकी एक गहरी जिम्मेदारी है। इसी सोच के तहत, प्रौद्योगिकी में उन्नति और पर्यावरणीय उत्तरदायित्व के बीच सामंजस्य स्थापित करने वाले सेतु के रूप में आर्यावन की परिकल्पना की गई है।

आर्या ओम्निटॉक और सिटेल बाय अरविंद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी परेश शेट्टी ने कहा, आर्यावन मानो आर्या ओम्निटॉक का हरित हृदय है। नवाचार, जिम्मेदारी और राष्ट्रनिर्माण, ये हमारे मूल मूल्य इस पहल में स्पष्ट रूप से प्रतिबिंबित होते हैं।

एसएस इनोवेशन्स द्वारा भारत की पहली रोबोटिक टेली-सर्जरी मैराथन का आयोजन

मुंबई। भारत की पहली स्वदेशी सर्जिकल रोबोटिक प्रणाली रक्कमंत्रा के डेवलपर, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल इंक. ने 100 रोबोटिक टेली-सर्जरी के सफल समापन के साथ एक ऐतिहासिक उपलब्धि की घोषणा की है। यह मील का पत्थर तकनीक-सक्षम स्वास्थ्य सेवाओं के विकास में एक महत्वपूर्ण कदम है, जो यह दशार्ता है कि उन्नत सर्जिकल विशेषज्ञता को स्वदेशी नवाचार के माध्यम से दूर-दराज क्षेत्रों तक भरोसेमंद ढंग से पहुँचाया जा सकता है। इस उपलब्धि के उपलक्ष्य में, एसएस इनोवेशन्स इंटरनेशनल ने भारत की पहली मैराथन रोबोटिक टेली-सर्जरी का आयोजन किया, जिसके दौरान एक ही दिन में 20 से अधिक टेली-सक्षम रोबोटिक सर्जरी सफलतापूर्वक की गईं। यह पहल रक्कमंत्रा प्लेटफॉर्म का वास्तविक क्लिनिकल प्रमाण प्रस्तुत करती है, जो विभिन्न सर्जिकल विशेषज्ञताओं में इसकी सटीकता, सुरक्षा और स्केलेबिलिटी को दशार्ती है। यह आयोजन स्वास्थ्य अवसंरचना को सशक्त बनाने और महानगरों से परे विशेषज्ञ-आधारित उपचार सेवाओं के विस्तार में रोबोटिक टेली-सर्जरी की बढ़ती भूमिका को भी रेखांकित करता है।

उत्तरशक्ति
* संपादकः ओमप्रकाश प्रजापति
* उप संपादकः प्रेम चंद मिश्रा
*प्रबंध संपादकः डा. शेषधर बिन्द
उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है।
पत्राचार कार्यालय:
उत्तरशक्ति (हिंदी दैनिक)
मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5, ए-337 ट्रक टर्मिनल डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल ऑटाफ हिल वडाला, मुंबई-37
मो.- 9554493941
email ID- uttarshaktinews@gmail.com

स्वामी: शरद फागूराम प्रजापति, प्रकाशक, मुद्रक व संपादक ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति द्वारा सोमानी प्रिंटिंग प्रेस, यूनिट क्रमांक 4, तल मजला, एन.के. इंडस्ट्रियल स्टेट, आरे रोड, प्रवासी इंडस्ट्रियल एस्टेट, जवल, गेट क्रमांक 2, गोरेगांव (पूर्व), मुंबई-400063, महाराष्ट्र से मुदित एवं के-4, रूम नं. 8, ग्राउंड फ्लोर न्यू समता सहकारी को.ऑ. हां. सोसाइटी, एमएमआरडीए कॉलोनी कंजूरमार्ग (वेस्ट), जिला मुंबई- 400078, महाराष्ट्र से प्रकाशित। RNI NO. MAHHIN/2018/76092 * संपादक- ओमप्रकाश रविंद्रनाथ प्रजापति, समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त समाचारों के लिए उत्तरदाई तथा इससे उत्पन्न समस्त विवाद मुंबई न्यायालय के अधीन होंगे।
पत्राचार कार्यालय: मुंबई-पूणे मोटर मालक श्रमजीवन प्रिमायसेस को.सो., बी-5 ए-337 ट्रैक टर्मिनल, डब्लू.टी.टी. रोड, आर.टी.ओ. जवल, ऑटाफ हिल, वडाला मुंबई -37, मो.- 9554493941 email ID- uttarshaktinews@gmail.com

छपरा में अंगीठी बनी काल!
मासूम समेत 4 की मौत, 3 गंभीर

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। ठंड से बचने के लिए जलाई गई अंगीठी एक पीसीएस अधिकारी के परिवार पर काल बनकर टूट पड़ी। बिहार के छपरा में शुक्रवार देर रात अंगीठी से निकली जहरीली गैस की चपेट में आकर चार लोगों की दर्दनाक मौत हो गई, जबकि तीन की हालत गंभीर बनी हुई है। मृतकों में पीसीएस अफसर के मासूम बेटे-बेटी, उनकी सास और साढ़ू का बच्चा शामिल है।

जानकारी के अनुसार, वाराणसी निवासी पीसीएस अधिकारी की पत्नी अंजलि छुट्टियां मनाने अपने बच्चों के साथ छपरा आई थीं। वे भगवान बाजार थाना क्षेत्र के अंबिका कॉलोनी, भारत मिलाप चौक के पास अपने मायके में रुकी हुई थीं। शुक्रवार रात अत्यधिक ठंड के कारण परिवार के सात लोग एक ही कमरे में सोए थे। ठंड से बचाव के लिए कमरे में अंगीठी जलाई गई, जो पूरी रात सुलगती रही।

देर रात कमरे में कार्बन मोनो ऑक्साइड गैस भरने से ऑक्सीजन का स्तर तेजी से घट गया। गहरी नींद में होने के कारण किसी को खतरे का

पीसीएस अफसर के परिवार पर टूटा कहर

आभास नहीं हो सका। शनिवार तड़के परिवार के एक सदस्य को घुटन महसूस हुई। किसी तरह वह कमरे से बाहर निकला और शोर मचाया। जब परिजन मौके पर पहुंचे तो चार लोग अचेत पड़े थे।

सभी को आनन-फानन में सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने पीसीएस अफसर के तीन वर्षीय बेटे तेजस, सात महीने की बेटी गुड़िया, सास कमलावती देवी (70) और साढ़ू के चार वर्षीय बेटे अध्याय को मृत घोषित कर दिया। वहीं, पत्नी अंजलि, साले अमित कुमार और साढ़ू की पत्नी अमीषा की हालत गंभीर बनी हुई है। तीनों का इलाज सदर अस्पताल में जारी है।

घटना की सूचना मिलते ही एएसपी राम पुकार सिंह समेत कई वरिष्ठ अधिकारी अस्पताल और घटनास्थल पर पहुंचे। पुलिस ने कमरे का मुआयना किया और परिजनों से पूछताछ शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में दम घुटने से मौत की पुष्टि हुई है। इस हृदयविदारक हादसे के बाद पूरे मोहल्ले में मातम पसरा है। एक ही परिवार के चार सदस्यों की असामयिक मौत से हर आंख नम है। पुलिस ने लोगों से सर्दी के मौसम में बंद कमरों में अंगीठी या कोयले का उपयोग न करने की अपील की है।

अधिक रफ्तार बनी जान की दुश्मन

केराकत,जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौत हो गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने लाश को कब्जे में लेकर पंचनामा भर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। बताया जाता है कि गाजीपुर जनपद के सैदपुर थाना क्षेत्र ग्राम तराशा निवासी युवक आदित्य कुमार उम्र लगभग 18 वर्ष पुत्र स्वर्गीय दिनेश कुमार शुक्रवार शाम को चंदवक बाजार आया हुआ था। बाजार से रात्रि लगभग 9:30 बजे बाइक से घर जा रहा था। इसी दौरान अधिक रफ्तार होने के कारण बाइक सड़क पर स्लिप कर गई। जिसके कारण आदित्य को गंभीर चोट लगी। सड़क से

बाइक अनियंत्रित होकर गिरने से युवक की हुई मृत्यु

गुजर रहे राहगीरों ने उसे उठाकर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र भिजवाया यहां चिकित्सक ने उसे देखकर मृत घोषित कर दिया।

घटना की जानकारी मिलने पर स्थानीय थाने की पुलिस मौके पर पहुंच गई। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण कर लाश को अपने कब्जे मे लिया। सूत्र बताते हैं कि डेढ़ वर्ष पूर्व इसके पिता की मृत्यु हुई थी। इसका पिता सफाई कर्मी था दौरान ड्यूटी उसकी मौत हुई थी। पिता की जगह इसे भी आश्रित में नौकरी मिलने वाली थी लेकिन शायद विधाता को यह स्वीकार नहीं था। यह अपने माता-पिता का इकलौता बेटा था।

अविलंब अस्थायी रैन बसेरा का निर्माण कराया जाय: राधेरमण जायसवाल

रेलवे प्रशासन को अलाव और रैन बसेरा की व्यवस्था अभिलम्ब करना चाहिये: व्यापार मण्डल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। नगर उद्योग व्यापार मंडल के अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल के नेतृत्व में

व्यापारियों का एक प्रतिनिधिमंडल जौनपुर जंक्शन के स्टेशन अधीक्षक राम प्रकाश यादव से मिलकर जौनपुर जंक्शन और सिटी स्टेशन पर अस्थायी रैन बसेरा एवं अलाव का प्रबन्ध करने का ज्ञापन दिया। इस मौके पर जायसवाल ने बताया कि पूर्व के 10 वर्षों से लगातार जौनपुर जंक्शन एवं सिटी स्टेशन पर रैन बसेरा और अलाव का प्रबंध किया जाता था परंतु इस समय अपार ठण्डी के बावजूद भी अभी तक यात्रियों के लिए रेलवे प्रशासन के तरफ से किसी भी तरह का प्रबंध नहीं किया गया जबकि सभी ट्रेनें लेट से चल रही हैं। रेलवे प्रशासन को ज्ञापन के माध्यम से मांग करते हुए अभिलंब रैन बसेरा का निर्माण करने का आग्रह किया गया। जौनपुर जंक्शन स्टेशन अधीक्षक ने विषय की गम्भीरता को समझते हुए तत्काल उत्तर रेलवे डीआरएम से फोन द्वारा व्यापार मण्डल के अध्यक्ष से बात कराया। डीआरएम द्वारा आश्वासन दिया गया कि प्रदेश सरकार का सहयोग लेते हुए अस्थाई रैन बसेरा जल्द ही बनाया जायेगा। प्रतिनिधिमण्डल में शामिल प्रदेश उपाध्यक्ष सोमेश्वर केसरवानी ने जनहित और यात्रियों की सुरक्षा और स्वास्थ्य से जुड़े इस कार्य पर ध्यान देने के लिये नगर अध्यक्ष राधेरमण जायसवाल सहित नगर की पूरी टीम का साधुवाद किया। साथ ही जल्द से जल्द समस्या का निदान करने के लिए रेलवे प्रशासन से आग्रह किया। वरिष्ठ उपाध्यक्ष संजय केडिया ने कहा कि प्रशासन और रेलवे विभाग को अतिशीघ्र अलाव के साथ रैन बसेरा का निर्माण करना चाहिये जिससे किसी प्रकार का दुखद घटना ना हो सके। वरिष्ठ उपाध्यक्ष संतोष साहू, किराना संघ के अध्यक्ष विजय गुप्ता, उपाध्यक्ष हफिज शाह ने संयुक्त रूप से कहा कि इस कड़ाके की ठंड में सबसे जरूरी यही है कि यात्रियों, व्यापारियों और राहगीरों की सुरक्षा का ध्यान दिया जाय।

प्रतिनिधिमंडल में नगर महामंत्री मुन्ना लाल अग्रहरि, यशवंत साहू, शुभम बरनवाल, शाहिद मंसूरी, सतीश अग्रहरि, जितेन्द्र जायसवाल, डी.के. अग्रहरि, ऋषिकेश दुबे, राकेश जायसवाल, अनिल मिश्रा, निश्चय जायसवाल, मनोज साहू आदि व्यापारी शामिल रहे।

परम्परागत खेती से आगे बढ़े जौनपुर के किसान, स्ट्राबेरी की खेती से की लाखों की आमदनी

उद्यान विभाग के मार्गदर्शन से खुटहन के किसान ने स्ट्राबेरी की खेती में रचा नया कीर्तिमान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिला उद्यान अधिकारी ने अवगत कराया है कि परम्परागत खेती से हटकर कुछ नया करना हो तो स्ट्राबेरी की खेती किसानों की आर्थिक स्थिति को सुधारने में बहुत लाभकारी साबित हो रही है।

पहले इसकी खेती सिर्फ पहाडी और ठंडे भागों मे ही होती थी परन्तु अब अपने जनपद के किसान भी इसकी खेती कर बहुत अच्छी आमदनी कर रहे है।

इसी कड़ी में जनपद जौनपुर के कृषक भी इससे अछूते नही है। मुख्यमंत्री के दूरदर्शी सोच के कारण ही प्रदेश भर के कषक नयी-नयी फसलों व सिचाई के नयी तकनीकों के माध्यम से नित नयी ऊचाईया छू रहे है जिसका जीता-जागता

कम लागत, अधिक मुनाफा: जौनपुर में स्ट्राबेरी की खेती बन रही किसानों की आय का नया स्रोत

उदाहरण है- विकासखंड खुटहन ग्राम सलेमपुर निवासी कृष्ण कुमार यादव जो परम्परागत खेती के अवाला मल्चिंग के साथ स्ट्राबेरी की खेती कर रहे है। कृष्ण कुमार यादव ने एकीकत बागवानी विकास मिशन योजना के तहत स्ट्राबेरी की खेती

करके एक नया कीर्तिमान रचा है।

उनका कहना है कि लगभग 80000 लागत लगाकर मात्र 4 माह में 3.5 से 4 लाख रुपए तक की बचत हो जाती है। उद्यान विभाग के मार्गदर्शन और बागवानी मिशन के तहत मिले अनुदान ने उन्हे आधुनिक खेती करने मे मदद की।

कृष्ण कुमार यादव द्वारा विन्टर डाउन प्रजाति की स्ट्राबेरी लगायी गयी है जो बाजार में 370-400 रू0 किलो तक आराम से लोकल मार्केट मे ही बिक जाती है इसके अतिरिक्त इनके द्वारा आलू, धान, गेहू, सरसो, व गन्ना की खेती की जाती है विभाग से 90 प्रतिशत सब्सिडी पर इनके द्वारा मिनी स्प्रिकलर भी लिया गया है, जिसके द्वारा अन्य फसलों मे सिंचाई की जा रही है।

अब जनपद जौनपुर के कृषक भी जागरूक होकर परम्परागत खेती से हटकर उच्च मूल्य वाली बागवानी फसलों की तरफ रूख कर अच्छा मुनाफा कमा रहे है, जिसमे उद्यान विभाग अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

सरायख्वाजा पुलिस ने चोरी के मुकदमे से संबन्धित 4 चोरों को किया गया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा चोरी के मुकदमें से संबन्धित 04 चोरों को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से 01 जनरेटर व 4 फरमा तथा 2000 रुपया नगद बरामद ' क्षेत्राधिकारी सदर के निकट पर्यवेक्षण व प्रभारी निरीक्षक सरायख्वाजा के कुशल नेतृत्व में दिनांक-27.12.2025 को थाना सरायख्वाजा पुलिस टीम द्वारा मुखबिर खास की सूचना पर मु0अ0सं0-724/25 धारा-305(ए) बीएनएनस व मु0अ0सं0-736/25 धारा-305(ए) बीएनएस से सम्बन्धित आरोपियों क्रान्ति बीर गौतम पुत्र विजय बहादुर गौतम नि0 कुत्तूपुर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर , प्रद्युमन कुमार गौतम पुत्र दशरथ गौतम नि0 नेवादा ईश्वरी सिंह थाना सरायख्वाजा जौनपुर, आर्यन सोनकर पुत्र विनोद सोनकर निवासी खानपुर अकबर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर ,आशीष सोनकर पुत्र जगदीश सोनकर निवासी खानपुर अकबर थाना सरायख्वाजा जनपद जौनपुर को सैदपुर गडऊर पुलिया के पास से हिरासत पुलिस में लिया गया। कब्जे से 01 जनरेटर व 4 फरमा तथा 2000 रुपया नगद बरामद किया गया तथा गिरफ्तार आरोपीगण के विरुद्ध आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जफराबाद पुलिस ने चोरी के मुकदमे में वांछित दो आरोपियों को किया गिरफ्तार

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा चोरी के मुकदमे में वांछित 02 आरोपियों को किया गया गिरफ्तार, कब्जे से 01 बैटरी, 02 सीलिंग फैन, 06 सीलिंग फैन ब्लेड, चिटबन्दी के 540 व 630 रुपये व चोरी के कार्य में प्रयोग मोटर साइकिल UP62 CR9418 किया गया बरामद, घटना का विवरण-दिनांक-26.12.2025 को आवेदक श्रवण कुमार चौबे पुत्र स्व0 शीतला प्रसाद चौबे निवासी धनेजा द्वारा थाना स्थानीय पर आकर एक प्रा0पत्र दिये कि पाही पर खड़ी महेन्द्रा ट्रैक्टर 265 से अज्ञात व्यक्तियों द्वारा बैटरी चोरी कर ली गयी है। प्राप्त तहरीर के आधार पर थाना स्थानीय पर मु0अ0सं0-292/2025 धारा- 303(2) बीएनएस बनाम अज्ञात पंजीकृत किया गया। गिरफ्तारी का विवरण, क्षेत्राधिकारी नगर के कुशल पर्यवेक्षण में थाना जफराबाद पुलिस टीम द्वारा थाना स्थानीय पर पंजीकृत मु0अ0सं0-292/25 धारा-303(2), 317(2), 3(5), 61 BNS से संबन्धित आरोपीगण ,सुरेश चौहान पुत्र नरेन्द्र चौहान निवासी सलखापुर थाना लाइनबाजार जनपद जौनपुर, रविन्द्र चौहान पुत्र रामसिंह चौहान निवासी धनेजा थाना जफराबाद जनपद जौनपुर को मुखबिर खास की सूचना पर गिरफ्तार किया गया तथा कब्जे से 01 बैटरी, 02 सीलिंग फैन, 06 सीलिंग फैन ब्लेड, चिटबन्दी के 540 व 630 रुपये व चोरी के कार्य में प्रयोग मोटर साइकिल UP62 CR 9418 बरामद कर आवश्यक विधिक कार्यवाही की जा रही है।

जौनपुर में तेजी से बढ़ रहा आम आदमी पार्टी का कारवाँ

शाहगंज की प्रमुख समाजसेवी श्वेता सिंह सहित कई समाजसेवियों ने ग्रहण की सदस्यता

सांसद संजय सिंह को सर्वश्रेष्ठ अवार्ड मिलने पर कार्यकताओं ने मनाया जश्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। आम आदमी पार्टी जौनपुर केंद्रीय कार्यालय पर शनिवार को आयोजित सदस्यता ग्रहण समारोह में शाहगंज की प्रमुख समाजसेवी श्वेता सिंह ने उत्साह से आम आदमी पार्टी की सदस्यता ली। उनके साथ सुभाष चंद्र गौतम (लखनपुर), विनोद यादव (सलोनी महिमापुर) आरके चौधरी एवं जय सिंह गौतम (शाहगंज) ने भी सदस्यता ग्रहण की। पूर्वांचल प्रांत प्रभारी डॉ. अनुराग मिश्रा ने सदस्यता ग्रहण कराई।

श्वेता सिंह ने कहा, केजरीवाल और संजय सिंह की ईमानदार राजनीति व गरीबों के लिए संघर्ष ने मुझे प्रभावित किया, शिक्षा-स्वास्थ्य जैसे मुद्दों पर आम आदमी पार्टी का काम सराहनीय है। मैं पूर्वांचल में पार्टी को मजबूत बनाने के लिए पूरी ताकत लगाऊँगी। डॉ.अनुराग मिश्रा ने कहा, केजरीवाल के नेतृत्व में आम आदमी पार्टी का कारवाँ पूरे देश में फैल रहा है। संजय सिंह गरीबों-दलितों-पिछड़ों की आवाज बनकर लड़ रहे हैं, इसलिए लोग जुड़ रहे हैं।

जिला अध्यक्ष राम रतन विश्वकर्मा ने कहा, संजय सिंह ने सरयू से संगम तक एवं रुहेलखंड में रामपुर से अमरोहा तक पदयात्राएँ कीं। अब पूर्वांचल में जौनपुर से आजमगढ़ तक पदयात्रा प्रस्तावित है, तिथियाँ शीघ्र घोषित होंगी।

कार्यक्रम बाद कार्यकताओं ने संजय सिंह को सर्वश्रेष्ठ सांसद अवार्ड की खुशी में मिठाई खिलाकर जश्न मनाया। इस दौरान अनीता मिश्रा (महिला प्रकोष्ठ जिला अध्यक्ष), वंदना मिश्रा, विजय सिंह बागी, अतुल तिवारी, विद्याधर मिश्र, सोम कुमार वर्मा, प्रदीप मिश्रा, विनय सिंह, लाले बिन्द, राजकुमार, बृजेश आदि प्रमुख रूप से मौजूद रहे। उक्त जानकारी जिला मीडिया प्रभारी अतुल कुमार तिवारी ने दी।

'मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी' ने बांटे गर्म कपड़े

कड़कड़ाती ठंड में दिव्यांग बच्चों के चेहरे पर खिली मुस्कान

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी अभियान के अंतर्गत संचालित कार्यक्रम इस सर्दी खुशियां बाटें के तहत शनिवार को एक नेक पहल की गई। इस कड़कड़ाती ठंड को देखते हुए राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ एजुकेशन के दिव्यांग बच्चों को गर्म इनर और टोपियां वितरित की गईं। यह पुनीत कार्य जालना (महाराष्ट्र) की वंदना मिश्रा, मुंबई के देवेन्द्र मिश्रा एवं प्राथमिक विद्यालय ऊचवाँहौज, सिरकोनी (जौनपुर) की प्रधानाध्यापिका पूनम मिश्रा के सामूहिक आर्थिक और नैतिक सहयोग से संपन्न हुआ। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने अपने विचार साझा किए। प्रदीप मिश्रा (प्रणेता, मेरा गांव मेरी जिम्मेदारी) ने बताया कि हमारा उद्देश्य समाज के उस अंतिम व्यक्ति तक मदद पहुँचाना है जिसे इसकी सर्वाधिक आवश्यकता है। कड़कड़ाती ठंड में इन दिव्यांग बच्चों को राहत पहुँचाकर हमें जो आत्मिक संतोष मिला है, वह शब्दों में बयां नहीं किया जा सकता। डॉ. राजेश कुमार (संस्थापक, राजेश स्नेह ट्रस्ट ऑफ

एजुकेशन) ने कहा कि संस्था के बच्चों के प्रति समाज का यह जुड़ाव सराहनीय है। मदद के ये हाथ न केवल बच्चों को ठंड से बचाएंगे, बल्कि उनके भीतर यह विश्वास भी जगाएंगे कि समाज उनके साथ खड़ा है। पूनम मिश्रा (प्रधानाध्यापिका) ने स्वयं अपने हाथों से बच्चों को कपड़े पहनाते हुए उन्होंने भावुक होकर कहा, इन बच्चों की मुस्कान ही हमारी असली पूंजी है। शिक्षा के साथ-साथ सेवा भाव का होना भी अनिवार्य है, ताकि हम एक संवेदनशील समाज का निर्माण कर सकें। इस वितरण कार्यक्रम के दौरान दिव्यांग बच्चों के माता-पिता के साथ ही अधिवक्ता प्रखर मिश्रा भी उपस्थित रहे और इस मानवीय कार्य की सराहना की। संस्था की अध्यापिका हेमू मैडम ने गर्म कपड़े बांटने में सहयोग किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में राजनैतिक दलों के साथ विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण की समीक्षा बैठक संपन्न

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। जिलाधिकारी डॉ0 दिनेश चंद्र की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में भारत निर्वाचन आयोग के निदेर्शों के क्रम में राजनैतिक दलों के साथ मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण से संबंधित समीक्षा बैठक संपन्न हुई।

बैठक में जिलाधिकारी ने जानकारी देते हुए बताया कि मा0 भारत निर्वाचन आयोग के निर्देश के क्रम में ईन्यूमरेशन अवधि 26 दिसंबर 2025 तक जनपद के समस्त नौ विधानसभा क्षेत्रों में निर्धारित समय-सारिणी के अनुसार ईन्यूमरेशन का कार्य सफलतापूर्वक पूर्ण कर लिया गया है, ईन्यूमरेशन अवधि 26 दिसंबर के समाप्त होने के उपरांत सभी मान्यता प्राप्त राजनीतिक दलों के प्रतिनिधियों के साथ यह बैठक आयोजित की गई।

जिलाधिकारी ने बताया कि सभी राजनैतिक दलों द्वारा बूथ लेवल एजेंट (BLA) की नियुक्ति की गई है तथा प्रत्येक बूथ पर बीएलए एवं बीएलओ (BLO) है, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित हो सके।

की संयुक्त बैठकें कराई गई हैं। इसके साथ ही एएसडी (ASD) की सूची भी निर्वाचन आयोग के पोर्टल पर उपलब्ध करा दी गई कलेक्टीबल और नॉन कलेक्टीबल गणना प्रपत्र क्रमशः 83.49 प्रतिशत और 16.51 प्रतिशत के डिजिटाइजेशन के साथ जनपद में गणना प्रपत्र के डिजिटाइजेशन का कार्य शत प्रतिशत पूर्ण हो चुका है।

बैठक में सभी राजनीतिक दलों के प्रतिनिधिगण ने मतदाता सूची के विशेष प्रगाढ़ पुनरीक्षण कार्य में तथा निर्वाचन प्रक्रिया को निष्पक्ष, पारदर्शी एवं त्रुटिरहित बनाए रखने हेतु प्रशासन के प्रयासों की सराहना की। जिलाधिकारी ने भी राजनैतिक दलों द्वारा किए गए सहयोग की सराहना की गई।

इस अवसर पर सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, कांग्रेस से राकेश सिंह डब्बू, बीजेपी से केके विश्वकर्मा, यादवेंद्र, बीएसपी से चंद्रेज भारती, अपना दल एस से जय प्रकाश पटेल, डॉ0 मनीष कुमार, सीपीआईएम से के. एस. रघुवंशी, उप जिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान, नगर मजिस्ट्रेट इंद्रनंदन सिंह, समस्त ईआरओ सहित अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

प्रधान और उनकी पत्नी को मारपीट कर किया घायल, दो पर मुकदमा दर्ज

सरपतहां थाना क्षेत्र के अढ़नपुर गांव का मामला

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। सरपतहां क्षेत्र के अढ़नपुर गांव में शुक्रवार की शाम अराजक तत्वों ने ग्राम प्रधान और उनकी पत्नी को मारपीट कर घायल कर दिया। घायलों को स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया जहां हालत गंभीर देख कर चिकित्सक ने उन्हें जिला अस्पताल रेफर कर दिया। पुलिस ने हमले के दो आरोपियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर लिया है। पुलिस दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर मामले की जांच-पड़ताल में जुट गई है। ग्राम प्रधान मनोज प्रजापति ने थाने में तहरीर देकर बताया कि गांव के ही विपिन सिंह पुत्र इंदर सिंह और विनय तिवारी पुत्र रामधारी तिवारी पुरानी रंजिश को लेकर अचानक घर पहुंचे। आरोप है कि उक्त लोगों ने गाली - गलौज और धमकी देते हुए उन्हें और उनकी पत्नी को लाठी डंडे और रॉड से बुरी तरह से मारपीट पर घायल कर दिया। इससे दोनों को गंभीर चोट आई है। इसके अलावा उनकी मोबाइल भी क्षतिग्रस्त कर दिए। पीड़ित ने थानाध्यक्ष से आरोपियों के विरुद्ध उचित कार्रवाई की मांग की है। थानाध्यक्ष यजुवेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि दोनों आरोपियों पर मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच पड़ताल की जा रही है।

गेस्ट ऑफ हॉनर के रूप में सरपंच प्रतिनिधि जितेंद्र कुमार टेलर का सम्मान

चिराना। सीकर-दिल्ली स्टेट हाईवे स्थित गणेश मंदिर के सामने हेल्थ केयर एंड परामर्श केंद्र में शुक्रवार शाम को एक गरिमामयी आयोजन में बजावा (रावतका) ग्राम पंचायत के सरपंच प्रतिनिधि जितेन्द्र कुमार टेलर को गेस्ट ऑफ हॉनर के रूप में आमंत्रित कर डॉ.राजेंद्र कुमावत द्वारा सम्मानित किया गया। सरपंच प्रतिनिधि टेलर के साथ वीडीओ प्रदीप खीचड़, मनोज सैनी JTA व योग प्रशिक्षक महेश कुमावत भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थितजनों के साथ आयुर्वेद चिकित्सा, पंचकर्म, शोधपरक लेखन एवं जनजागरूकता से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर विस्तार से संवाद हुआ। सरपंच प्रतिनिधि टेलर ने डॉ. कुमावत द्वारा आयुर्वेद प्रचार-प्रसार हेतु किए जा रहे लेखन कार्य, जनहित संग्रहों व निरंतर सामाजिक प्रयासों की सराहना की और इसे समाज के लिए प्रेरणादायक बताया। उन्होंने कहा कि आयुर्वेद को आधुनिक युग में पुनर्जीवित करने का यह प्रयास अनुकरणीय है। कार्यक्रम में चेतन कुमावत, मनीष कुमावत, राकेश कुमावत,अभिषेक कुमावत सहित कई गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

आज मनुष्य के पास सुविधाएं हैं, परंतु सुख नहीं है : स्वामी नारायणानंद तीर्थ महाराज

-प्रोफेसर डॉ दयानंद तिवारी

मुंबई (उत्तरशक्ति)। कांदिवली (पूर्व) स्थित डॉ. बाबासाहेब आंबेडकर मैदान में चल रहे श्रीमद् भागवत ज्ञानयज्ञ के चतुर्थ दिवस में आध्यात्मिक उत्साह चरम पर रहा। जगद्गुरु शंकराचार्य स्वामी नारायणानन्द तीर्थ जी महाराज के दिव्य एवं प्रभावशाली प्रवचनों ने हजारों श्रद्धालुओं को आत्मचिंतन, जीवन-शोधन और धर्म की सार्थक परिणति की ओर प्रेरित किया। इस पावन अवसर पर उपस्थित जनसमुदाय मंत्रमुग्ध होकर ज्ञानगंगा में स्नान करता रहा, वहीं गीता-ज्ञान की पावन वर्षा ने वातावरण को जीवंत और धारदार बना दिया।

स्वामी जी ने आज के सामाजिक परिवेश, बढ़ते तनाव, परिवारिक विघटन, मानसिक अवसाद तथा भौतिकता की अंधी दौड़ का उल्लेख करते हुए कहा कि ₹आज मनुष्य के पास सुविधाएँ हैं, परंतु सुख नहीं; साधन हैं, पर साधना नहीं; उपलब्धियाँ हैं, पर आत्मशांति का अभाव है।₹ ऐसे में श्रीमद्भगवद्गीता मानवता के लिए संजीवनी है – जो भटके मन को दिशा देती है और जीवन को संतुलन प्रदान करती है।

उन्होंने कहा कि श्रीमद्भगवद्गीता केवल धार्मिक ग्रंथ नहीं, जीवन का उपयोगी मार्गदर्शक है। गीता विवेक, संयम, साहस और करुणा का शास्त्र है – संघर्ष में धैर्य देती है और निराशा में प्रकाश। महाराज जी ने अपने प्रवचन में कहा– गीता विश्व-धर्म की पुस्तक है, केवल हिंदू धर्म की नहीं। यह मानवता का संविधान है, जो हर युग में मार्गदर्शन करता है।

उन्होंने संदर्भ देते हुए श्लोक उद्धृत किया–

न हि ज्ञानेन सदृशं पवित्रमिह विद्यते।

अर्थ : इस संसार में ज्ञान से बढ़कर कोई पवित्र वस्तु नहीं।

आगे स्वामी जी बोले–गीता व्यवहार का धर्म है, वाद-विवाद का नहीं। जिस दिन गीता का सार जीवन में उतर जाए, उसी दिन समस्त शास्त्र स्वयं स्पष्ट हो जाते हैं।

और इसी भाव को श्रीकृष्ण ने स्पष्ट किया–

सर्वधर्मान्परित्यज्य मामेकं शरणं व्रज।

उन्होंने कहा कि वर्तमान समय में जब युवा दिशाहीनता, तनाव और प्रतिस्पर्धा में उलझा है– उस समय गीता की एक-एक पंक्ति दीपक बनकर मार्ग दिखाती है। यदि घर-घर में गीता का पाठ प्रारंभ हो जाए तो सामाजिक तनाव, वैचारिक विभाजन और मूल्यहीनता स्वतः कम होने लगे।

कार्यक्रम संयोजक मंडल ने बताया कि ज्ञानयज्ञ में प्रतिदिन अधिक संख्या में श्रद्धालु पहुँच रहे हैं और परिसर में शांति, अनुशासन एवं भक्ति की अनूठी धारा प्रवाहित है।

इस भव्य आयोजन में एडवोकेट जे. डी. सिंह, राम मणि मिश्र, ओम प्रकाश सिंह, हरिश्चंद्र शुक्ल, प्रमोद दुबे, डॉ. दिनकर दुबे, संचित यादव, अनिल पांडेय, सूरज प्रताप सिंह देवड़ा सहित अनेक कार्यकर्ता सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। अंत में स्वामी जी ने सभी से आग्रह किया कि नये वर्ष का संकल्प केवल लक्ष्यों का न हो, चरित्र और चित्त-शुद्धि का भी हो। गीता को पढ़ें, जीएँ और बच्चों को भी उससे जोड़ें। यही मानवता की पुनर्स्थापना का मार्ग है।

दस दिवसीय अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का सम्पन्न, सेवा को मिला सम्मान

झुंझुनूं। मलसीसर रोड स्थित एनआरडीडी अस्पताल,झुंझुनूं में आयुष विभाग के तत्वावधान में आयोजित दस दिवसीय अंतरंग क्षारसूत्र शल्य चिकित्सा शिविर का समापन समारोह बुधवार को सम्पन्न हुआ। समापन अवसर पर आयुर्वेद उपनिदेशक डॉ. जितेन्द्र स्वामी ने शिविर की सफलता में योगदान देने वाले चिकित्सकों, पैरामेडिकल स्टाफ,सहयोगी कार्मिकों एवं व्यवस्थापक टीम को सम्मानित कर उनकी सेवा -भाव की सराहना की। शिविर प्रभारी डॉ. महेश माटोलिया ने अपने संबोधन में कहा कि शिविर की सफलता पूरी तरह समर्पित टीम वर्क को जाती है।उन्होंने मुख्य शल्य चिकित्सक डॉ. सुनील कनोडिया,डॉ.भगीरथ मल गढ़वाल,डॉ.ओमप्रकाश चेचू सहित समस्त ऑपरेशन थियेटर स्टाफ के उत्कृष्ट,एवं सराहनीय कार्य की विशेष प्रशंसा की। समापन समारोह में जिला संघ के पदाधिकारी डॉ. मदनलाल सैनी, डॉ.महेश कुमार झाझड़िया, नरेश यादव एवं देवकरण की उपस्थिति ने आयोजन की शोभा बढ़ाई। इस अवसर पर डॉ. संदीप ढूकिया एवं डॉ. सुनीता ढूकिया का भी सम्मान किया गया। डॉ. माटोलिया ने नर्सिंग स्टाफ, लैब टीम, थेरेपिस्ट, औषधि वितरण, भोजन, आवास एवं स्वच्छता से जुड़े सभी कर्मचारियों को साधुवाद देते हुए,शिविर के सफल आयोजन में सहयोग प्रदान करने के लिए ढूकिया परिवार का भी विशेष आभार व्यक्त किया।इस बेला पर उन्होंने कहा कि यह शिविर न केवल रोगियों के लिए राहत एवं प्रभावी उपचार का माध्यम बना, बल्कि आयुर्वेद की प्राचीन, सुरक्षित एवं प्रभावशाली क्षारसूत्र चिकित्सा पद्धति को जनमानस तक पहुँचाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण एवं सराहनीय पहल सिद्ध हुआ।

गुटखा बेचने वाले कारोबारी को पेल्हार पुलिस ने किया गिरफ्तार

मीरा भायंदर (उत्तरशक्ति)। पेल्हार पुलिस स्टेशन की सीमा में गश्त करते समय, पेल्हार पुलिस स्टेशन के सहायक पुलिस निरीक्षक रमेश वाघचौरे, डाकघर रवि वानखेड़े और पुलिस अनमलदार एकनाथ सरुकते सहित अन्य लोगों को विश्वसनीय सूचना मिली कि पालघर जिले के वसई तालुका, नालासोपारा पूर्वा तालुका, खान चौक नालासोपारा स्टेशन रोड स्थित सना जनरल स्टोर्स नामक दुकान के दुकानदार ने राज्य सरकार द्वारा प्रतिबंधित तंबाकू गुटखा दुकान में बेचने के लिए लाया था।

उक्त समाचार के अनुसार, सहायक पुलिस निरीक्षक रमेश वाघचौरे ने टीम के साथ सना जनरल स्टोर्स, खान चौक, नालासोपारा स्टेशन रोड पूर्व, जिला पालघर की पुलिस टीम ने जावेद अहमद जहीर और अहमद अंसारी (उम्र 38) को गिरफ्तार किया, जो तांडा पाड़ा संतोष भवन, नालासोपारा पूर्व, अन्नपूर्णा स्कूल के पास, तालुका वसई, जिला पालघर में रहते हैं। दुकान की तलाशी लेने पर पता चला कि दुकान में महाराष्ट्र सरकार द्वारा प्रतिबंधित तंबाकू उत्पाद, गुटखा, जिसकी कीमत 6,39,493 रुपये है, बेचने के उद्देश्य से रखा गया था। दिनांक 25/12/2025 को पेल्हार पुलिस स्टेशन में अभियुक्त के खिलाफ भारतीय दंड संहिता की धारा 123 और खाद्य सुरक्षा एवं मानक अधिनियम, 2006 की धारा 26 (2) (i), 26 (3) और 26 (4) के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस अपराध की आगे की जांच सहायक पुलिस निरीक्षक रमेश वाघचौरे द्वारा की जा रही है। उपरोक्त कार्य मा, सुहास बावचे, पुलिस उपायुक्त, जोन 3, विरार, मा, बजरंग देसाई, सहायक पुलिस आयुक्त, विरार डिवीजन, के मार्गदर्शन में किया गया जिसमें सचिन कांबले, वरिष्ठ पुलिस निरीक्षक, शकील शेख, पुलिस निरीक्षक (अपराध), पेल्हार पुलिस स्टेशन, अपराध जांच टीम सपोनी रमेश वाघचौरे, पौपानी तुकाराम भोपाले, सफौ योगेश देशमुख, पोहवा तानाजी चव्हाण, पोहवा सुनील आव्हाड, पोना अशोक परजाने, पोहवा वाल्मीक पाटिल, रवि वानखेड़े, अभिजीत नेवारे, पोम वसीम शेख, अनिल वाघमारे, निखिल घोरपड़े, अमोल मासे, एकनाथ सरुकते, सभी पेल्हार पुलिस स्टेशन के प्रदर्शन।

जितेन्द्र प्रजापति ने अपने सुरों से समाज को गौरवान्वित किया

वापी (उत्तरशक्ति)। दिन गुरुवार को भारतीय प्रजापति कल्याण संघ, वापी द्वारा 7वाँ वार्षिक सम्मेलन आयोजित किया गया। इस सम्मेलन में देश के विभिन्न प्रान्तों से समाज से जुड़े अनेक लोग सम्मिलित हुए। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि संत कृष्ण मेघादास रहे। सम्मेलन में मुख्य अतिथि सहित अन्य अतिथिगणों ने भी अपने-अपने विचार प्रस्तुत किए और समाज की एकता, विकास एवं संस्कारों पर प्रकाश डाला। इस कार्यक्रम का मुख्य आकर्षण जितेन्द्र प्रजापति (जीतू भाई) रहे। उन्होंने अपनी मधुर गायकी से उपस्थित सभी लोगों का दिल जीत लिया और अपनी प्रतिभा से पूरे प्रजापति समाज को गौरवान्वित किया। उनकी प्रस्तुति को श्रोताओं ने खूब सराहा। भारतीय प्रजापति कल्याण संघ के सभी कार्यकताओं ने, विशेष रूप से संघ के अध्यक्ष रामसूरत प्रजापति ने, जितेन्द्र प्रजापति (जीतू भाई) की भूरि-भूरि प्रशंसा की और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। आज जितेन्द्र प्रजापति न अपने प्रजापति समाज मे बल्कि उत्तर प्रदेश, राजस्थान, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र,गुजरात आदि प्रदेशों मे अपनी एक अलग पहचान बनायी है। पूरा प्रजापति समाज उनके उज्जवल भविष्य की कामना करता है और दिल से धन्यवाद देता है।

विधायक एवं जिलाध्यक्ष के हाथों 1001 कंबल का हुआ वितरण

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। महराजगंज क्षेत्र के मया गांव निवासी प्रसिद्ध समाजसेवी युवा उद्योगपति महाराष्ट्र राहुलदेव शंकर दुबे के द्वारा पंडित कमलाकांत दुबे चैरिटेबल ट्रस्ट के सौजन्य से 1001 जरूरतमंद लोगों को कंबल वितरण किया गया। कंबल वितरण क्षेत्रीय विधायक रमेश चंद्र मिश्र एवं जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति के हाथों जरूरत मंदों में किया गया। मुख्य अतिथि विधायक रमेश चंद्र मिश्र ने कंबल वितरण के दौरान राहुल देव को कहा कि मुंबई से चलकर गांव और क्षेत्र के लिए कंबल वितरण का काम कर रहे हैं जो बहुत ही नेक और पुनीत कार्य है। वहीं विधायक ने अपने घर की चर्चा करते हुए यह भी कहा कि हमारे घर पर सूदक पड़ा हुआ है। लेकिन आयोजक बंधुओ से मजबूर होकर हमें आना पड़ा और यह भी कहा कि जो राजनीति करने वाला व्यक्ति असहाय और मजबूर होता है। यह अभी कहां की आज के समय में सबके पास धन दौलत है लेकिन कोई खर्च करना नहीं चाहता है। वहीं राहुल द्वारा भविष्य में बायोगैस का बड़ा प्लांट अपने क्षेत्र में लगाने जा रहे हैं। जहां लोगों को रोजगार मिलेगा और क्षेत्र का विकास होगा। वही जानकारी देते हुए यह भी बताया कि नेपियर घास के माध्यम से यह बायोगैस तैयार होगी। विशिष्ट अतिथि जिला अध्यक्ष ने कहा की मुंबई में रहकर आज अपने गांव और क्षेत्र के लिए जो सेवा कर रहे हैं वह सराहनीय है। वही ब्राह्मण संगठन के जिला अध्यक्ष डॉ अतुल दुबे ने इस नेक और पुनीत कार्य के लिए बधाई देते हुए युवाओं को राहुल से प्रेरणा लेनी चाहिए और ऐसे आयोजन क्षेत्र में होते रहने की बात कही। आयोजक द्वारा सभी आगंतुकों को माल्यार्पण कर अंग वस्त्र देकर सम्मानित किया गया। मंच का कुशल संचालन शुभम काशी ने किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता शिवपूजन दुबे द्वारा की गई। इस मौके पर संतोष दुबे, गिरजाशंकर दुबे,शिवम दुबे, धीरज चौबे प्रधान-असरोपुर, संदीप दुबे, धीरज उपाध्याय, कल्लू उपाध्याय,सिरील उपाध्याय, रामपूजन उपाध्याय, अवधेश उपाध्याय, यादवेंद्र दुबे, अखिल मिश्रा भाजपा नेता, बबलू सिंह, पप्पू यादव, आजाद सिंह प्रधान, राहुल मिश्रा प्रधान, अमित उपाध्याय, ओम प्रकाश त्रिपाठी पूर्व जिला अध्यक्ष भाजपा प्रतापगढ़, अविनाश सिंह, रवि दुबे,पंकज तिवारी, जगदीश उपाध्याय, रमेश मिश्र, पंकज उपाध्याय, श्याम मिश्रा, दीपक मिश्रा, अमरपाल तिवारी, इंद्रेश मिश्रा, राम पांडे, चंदू यादव, पुष्पेंद्र दुबे,अमित यादव, रामगेन यादव, सुजीत पटेल तथा क्षेत्रीय जनता उपस्थित रही।

पीएम के गोद लिए आदर्श गांव में रोहनिया विधायक ने विभिन्न परियोजनाओं का किया शिलान्यास

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के रोहनिया में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के गोद लिए आदर्श गांव ककरहिया में विकास की कड़ी को गति प्रदान करते हुए प्रदेश उपाध्यक्ष अपना दल एस एवं रोहनिया विधायक डॉक्टर सुनील पटेल ने चौरा माता मंदिर के प्रांगण में 1.25 करोड़ के लागत से होने वाले विभिन्न परियोजनाओं का विधिवत हवन पूजन के साथ शिलान्यास किया। विधायक सुनील पटेल ने राज्य सरकार द्वारा दिए जा रहे विभिन्न योजनाओं तथा विकास कार्य के बारे में विस्तार पूर्वक प्रकाश डालते हुए बताया कि इस गांव के विकास के लिए 1.25 करोड़ की लागत से बनने वाले सीसी रोड, इंटरलॉकिंग ,पिच रोड, कूड़ादन, साइनेश सहित कुल 8 नए निर्माण कार्यों का भूमि पूजन किया गया है।ग्राम प्रधान सूरज कुमार ने अंग वस्त्र के साथ स्मृति चिन्ह देकर रोहनिया विधायक का स्वागत किया। कार्यक्रम की अध्यक्षता विधानसभा अध्यक्ष बसंत लाल पटेल ने की। कार्यक्रम के दौरान मुख्य रूप से डॉ. उमेश पटेल ,बसंत लाल पटेल, बेचू लाल पटेल, मानस सिंह,दशमी राम पटेल, मनोज सिंह, जेई अक्षय पटेल, एई राजेश यादव इत्यादि लोग उपस्थित रहे।

विधायक की भाभी के निधन पर खेल मंत्री ने दी श्रद्धांजलि

सुइथाकला, जौनपुर (उत्तरशक्ति)। विकासखंड क्षेत्र के अरसिया गांव निवासी और बदलापुर के भाजपा विधायक रमेशचंद्र मिश्र की भाभी रीता मिश्रा के निधन पर शनिवार को खेल एवं युवा कल्याण राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गिरीश चंद्र यादव ने उनके निवास स्थान पर पहुंचकर भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। खेल मंत्री ने शोकाकुल परिजनों से मिलकर अपनी गहरी संवेदनाएं व्यक्त कीं। उन्होंने आत्मा की शांति व परिजनों को इस अपार दुःख को सहन करने की शक्ति प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की। विधायक के पैतृक निवास पर पहुंच कर शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए गणमान्य नागरिकों एवं स्थानीय लोगों का सिलसिला जारी हो गया है। राज्य मंत्री के प्रतिनिधि अजय सिंह, पूर्व विधायक बांकेलाल सोनकर, पूर्व विधायक डॉ सुषमा पटेल, डॉ. राकेश चंद्र तिवारी, खुटहन के ब्लॉक प्रमुख बृजेश यादव, राज्यसभा सांसद सीमा द्विवेदी के भाई सुधाकर उपाध्याय आदि लोगों ने भी पुष्पांजलि अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया है।

संस्कारी व्यक्ति ही शांत रह सकता है: प्रेमभूषण महाराज

-लाल शेखर सिंह

पटना (उत्तरशक्ति)। बिहार के मुजफ़्फरपुर,प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज के व्यासत्व और हरियाणा सेवासंघ के आयोजकत्व में पानी टंकी चौक पर स्थित जनता कॉलेज परिसर में चल रही नौ दिवसीय रामकथा में श्रोताओं को प्रेमभूषण महाराज ने निवेदित किया कि संस्कारी व्यक्ति ही शांत रह सकता है।स्वयं की प्रेरणा से शासन को मानना ही अनुशासन है।आनंद का गुणधर्म है कि वह बिखरता है, फैलता है। प्रेममूर्ति प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि मनुष्य का स्वभाव है कि वह ना तो भूत से सीखता है और ना ही भविष्य की चिन्ता करता है वह केवल वर्तमान में जीता है। मिथिला के वाटिका प्रसंग का गायन करते हुए प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने कहा कि, पूजा में भाव और शक्ति होती है और पूजा में हमारी भावनिष्ठा के अनुसार ही हम पर भगवान करुणा कृपा करते हैं इसलिये पूजन के समय शीघ्रता कभी नही करनी चाहिए।

प्रेमभूषण महाराज ने प्रेम के भाव को प्रकाशित करते हुए कहा कि कोई अपने प्रेम को खोना नही चाहता इसलिए प्रेम सदैव संशय युक्त रहता है।अतः जिसके प्रति अत्याधिक प्रेम होता है उसके प्रति संशय होता ही है।प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज चक्रवर्ती जी और विदेहराज की प्रशंसा करते हुए कहा कि दशरथ जी और जनक जी दोनों रामजी में ही रहते हैं,दोनों समधियों में यही सामध है।

प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज ने मिथिला भूमि पर मिथिला प्रसंग में वाटिका,धनुष यज्ञ सहित विवाह प्रसंग का सुमधुर गायन करते हुए, ले ला सुमन भर दोना..,गौरी दरबार चला हो सखी पूजि आयी..राम को देखकर जनक नंदिनीसियाजू के हाथ जयमाल हो..अवध नगरिया से चलली बरतियार आदि मांगलिक गीतों की प्रस्तुति से मिथिला के श्रोताओं को विवाहोत्सव भाव में अवस्थित कर दिया। कथा पंडाल में सभी स्त्रियों, पुरुषों और बच्चों का समूह झूमता, थिरकता और नाचता नजर आ रहा था। उल्लेखनीय है कि प्रेममूर्ति पूज्यश्री प्रेमभूषण महाराज की 32 वर्षीय रामकथा गायन यात्रा में सम्पूर्ण विश्व में फैले रामकथा श्रोताओं का उनकी भजनात्मक रामकथा गायन के प्रति प्रियता,भक्ति और उत्साह कभी कम नही हुआ।विशेषतौर पर प्रेमभूषण महाराज की अपने प्रमुख संगीत सारथी सुप्रसिद्ध तबला वादक सियालाडली शरण(भाई जी) की संगत पर धनुषभंग प्रसंग की अद्भुत रोमांचकारी प्रस्तुति आज भी रामकथा गायन क्षेत्र में अद्वितीय बनी हुई है।

जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण

जौनपुर(उत्तरशक्ति)। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी डॉ. दिनेश चंद्र द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर स्थित वीवीपैट वेयरहाउस का निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने वेयरहाउस में रखे वीवीपैट, सीसीटीवी की क्रियाशीलता, सुरक्षा व्यवस्था, रख-रखाव सहित अन्य व्यवस्थाओं का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया कि वेयरहाउस में सुरक्षा मानकों का पूर्णतः पालन किया जाए तथा सभी व्यवस्थाएं सुव्यवस्थित एवं दुरुस्त बनी रहें। निरीक्षण के उपरांत जिलाधिकारी द्वारा कलेक्ट्रेट परिसर में ठंड के दृष्टिगत गरीब एवं असहाय महिलाओं को कंबल वितरित किए गए। कंबल पाकर महिलाओं के चेहरों पर प्रसन्नता देखने को मिली। इससे पूर्व जनसुनवाई कक्ष में आए हुए फरियादियों में भी कंबल वितरण किया गया है। जिलाधिकारी ने कहा कि मुख्यमंत्री के स्पष्ट निर्देश हैं कि शीतलहर एवं ठंड के मौसम में कोई भी जरूरतमंद व्यक्ति सहायता से वंचित न रहे। शासन की मंशा के अनुरूप जनपद प्रशासन द्वारा लगातार जरूरतमंदों की पहचान कर उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जा रही है। जिलाधिकारी ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शीतलहर के दृष्टिगत जनपद के सभी शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में गरीब, असहाय, वृद्ध एवं बेसहारा व्यक्तियों को कंबल वितरण का कार्य प्राथमिकता के आधार पर किया जाए। साथ ही यह भी सुनिश्चित किया जाए कि रैन बसेरों, अलाव तथा अन्य ठंड से बचाव की व्यवस्थाएं नियमित रूप से संचालित रहें। उन्होंने कहा कि जिला प्रशासन जनसामान्य की सेवा के लिए सदैव तत्पर है और शासन की योजनाओं एवं निदेर्शों का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाएगा। इस अवसर पर बीजेपी जिलाध्यक्ष अजीत प्रजापति, सपा जिलाध्यक्ष राकेश मौर्य, कांग्रेस से राकेश सिंह डब्बू, बीजेपी से केके विश्वकर्मा, यादवेंद्र, बीएसपी से चंद्रेज भारती, अपना दल एस से जय प्रकाश पटेल, डॉ0 मनीष कुमार, सीपीआईएम से के. एस. रघुवंशी, उपजिला निर्वाचन अधिकारी राम अक्षयबर चौहान सहित अन्य संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

यातायात और सुरक्षा के दृष्टिगत पुलिस व व्यापारी की बैठक

वाराणसी (उत्तरशक्ति)। जनपद के लालपुर पांडेयपुर थाना क्षेत्र में यातायात व सुरक्षा व्यवस्था को लेकर हुई पुलिसव्यापारी बैठक में सड़क किनारे रेहड़ी-ठेला को जाम का कारण बताए जाने पर व्यापारियों के बीच तीखी बहस हो गई। स्थिति बिगड़ते देख डीसीपी वरुणा जोन प्रमोद कुमार ने हस्तक्षेप कर सभी को साथ लेकर यातायात सुधार पर जोर दिया ' बैठक में सुरक्षा उपायों, सीसीटीवी और गार्ड व्यवस्था पर भी चर्चा हुई तथा व्यापारियों के सुझावों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया।

रामलीला मंचन समापन के पश्चात भजन-कीर्तन के साथ अतिथियों का हुआ स्वागत

-आदेश मिश्र

ठाणे। संत श्री गोस्वामी तुलसीदास रामलीला समिति द्वारा ठाणे में आयोजित श्रीरामलीला मंचन का भव्य समापन रविवार को पूरे विधि-विधान एवं भजन-कीर्तन के साथ सम्पन्न हुआ। इस पावन आयोजन में बड़ी संख्या में श्रीराम भक्तों ने सहभागिता कर धार्मिक लाभ प्राप्त किया। श्रीरामचरित और प्रभु श्रीराम के आदर्शों को नाट्य कला के माध्यम से जीवंत रूप में प्रस्तुत करने वाले कलाकारों की प्रस्तुति की दर्शकों ने मुक्त कंठ से प्रशंसा की। रामलीला के समापन उपरांत भजन-कीर्तन का आयोजन किया गया, जिससे पूरा वातावरण भक्तिमय हो उठा। इस अवसर पर सांसद नरेश, पूर्व महापौर नरेश मनहरा, भाजपा युवा मोर्चा महाराष्ट्र प्रदेश उपाध्यक्ष अमर घरात, लोकाधिकार सेवा समिति के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं श्री रामलीला उत्सव समिति के अध्यक्ष प्रभाकर चंद्रशेखर शुक्ल,शाखा प्रमुख प्रवीण नागरे, पूर्व नगरसेवक सिद्धार्थ ओवलेकर, पूर्व नगरसेविका अर्चना मनहरा तथा अध्यक्ष विक्की टांडेल, राममिलन शुक्ला,कुलदीप तिवारी,अरविंद शुक्ला,कृति शर्मा,रामसजीवन दुबे,अवधेश तिवारी सहित अनेक गणमान्य अतिथियों की गरिमामयी उपस्थिति रही। समिति की ओर से सभी अतिथियों का भव्य एवं सम्मानपूर्वक स्वागत किया गया। कार्यक्रम की सफलता पर समिति के अध्यक्ष एवं आयोजक विजय मिश्रा, उपाध्यक्ष रणजीत यादव, राजेश पांडेय, राजेश पाठक, प्रमोद तिवारी, महासचिव गजेंद्र सिंह, प्रमोद चौहान, दीपक सिंह, वीरेंद्र पांडेय, कार्याध्यक्ष सोनू सिंह सुरीला,अजय पाठक, संजय शुक्ला, आनंद दुबे,प्रमोद दुबे, हरि तिवारी,संदीप यादव,सहित अन्य पदाधिकारियों ने सभी रामभक्तों, कलाकारों एवं सहयोगियों के प्रति आभार व्यक्त किया। साथ ही भविष्य में भी इसी प्रकार के सहयोग और आशीर्वाद की अपेक्षा जताई।

छत से गिरकर गम्भीर रूप से घायल छात्र की इलाज के दौरान मौत

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। मुंगराबादशाहपुर के स्टेशन रोड स्थित कमालपुर मोहल्ले में छत से गिरकर गम्भीर रूप से घायल कक्षा 9 के छात्र की प्रयागराज में इलाज के दौरान शुक्रवार की शाम मौत हो गई। अंश मिश्र उर्फ रुद्र (15) पुत्र अनूप मिश्रा अपने घर का इकलौता पुत्र था।छह दिन पूर्व अपने मकान की छत पर धूप लेने के नियत से गए थे। दिन में करीब 2 बजे वह मोबाइल में व्यस्त होकर पीछे की ओर खिसकते चले गये। इसी दौरान छत की टूटी रेलिंग के पास पहुंचते ही उसका संतुलन बिगड़ गया और वह नीचे गिर पड़े। छत से गिरने के कारण अंश को सिर में गंभीर चोटें आईं। घटना के तुरंत बाद परिजन उसे लेकर प्रयागराज के एक निजी अस्पताल पहुंचे जहां उसका इलाज चल रहा था। काफी प्रयासों के बावजूद इलाज के दौरान अंश ने शुक्रवार की शाम दम तोड़ दिया। जैसे ही मौत की खबर परिजनों को मिली घर में कोहराम मच गया और मां-बाप का रो-रोकर बुरा हाल है। रुद्र कक्षा 9 का छात्र था। वह अपने माता-पिता का इकलौता संतान था जिससे परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। परिजनों ने शुक्रवार को ही देर शाम प्रयागराज में दाह संस्कार कर दिया है। मृतक के पिता अनूप कुमार मिश्र ब्लॉक संसाधन केंद्र मुंगरा बादशाहपुर में संविदा पर कम्प्यूटर ऑपरेटर के पद पर कार्यरत हैं। परिवार मूल रूप से मुंगराबादशाहपुर थाना क्षेत्र के बड़ागांव ग्राम का निवासी है और वर्तमान में स्टेशन रोड कमालपुर मोहल्ले में मकान बना कर रह रहा थे।

चाइनीज मांझे से फिर युवक घायल

जौनपुर (उत्तरशक्ति)। चाइनीज मांझे से एक और युवक घायल हो गया। लाइन बाजार थाना क्षेत्र के चांदपुर गांव निवासी यशवंत यादव की गर्दन मांझे से कट गई। यह घटना जिला प्रशासन की चाइनीज मांझे की बिक्री रोकने में विफलता के बीच हुई है। यशवंत यादव ओलंदगंज से काम कर लौट रहे थे, तभी जौनपुर-मिजार्पुर रोड पर स्थित ओवरब्रिज के पास उनकी गर्दन पतंग के मांझे से कट गई। मौके पर मौजूद लोगों ने पुलिस को सूचना दी, जिसके बाद उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया। समय पर उपचार मिलने से उनकी जान बच गई। अभी कुछ दिन पहले नगर कोतवाली थाना क्षेत्र के काली कुट्टी मोहल्ले के एक शिक्षक की शास्त्री पुल पर चाइनीज मांझे से मौत हो गई थी। वह अपनी बेटी को स्कूल छोडकर लौट रहे थे, तभी यह हादसा हुआ था। जिला प्रशासन लगातार चाइनीज मांझे के खिलाफ अभियान चला रहा है। हालांकि, इन अभियानों की प्रभावशीलता पर सवाल उठ रहे हैं। आरोप है कि पुलिस छोटे दुकानदारों पर कार्रवाई कर रही है, जबकि बडे विक्रेता खुलेआम मांझे की बिक्री कर रहे हैं।